भोपाल, गुरुवार 5 मार्च 2026 www.amritdarshan.com Email : amritdarshan@yahoo.com ■ वर्ष : 37 ■ अंक : 22 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1 रु. RNI NO. 50259/90

मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संतों, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, कार्यकर्ताओं और मीडिया के साथियों के साथ खेली होली
- सभी ने हर्षोल्लास और आत्मीयता के साथ एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर दीं बधाई
- पारंपरिक गीतों का भी आयोजन

होली गीतों के साथ मयूर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति

मुख्यमंत्री निवास में आयोजित होली मिलन समारोह में उड़ते रंग गुलाल और पुष्प वर्षा के बीच, ब्रज-बरसाने के होली गीतों, पारंपरिक संगीत और मयूर नृत्य के साथ उल्लास और उमंग से सराबोर वातावरण में सभी ने शालीनता के साथ पर्व का आनंद लिया। मंच पर प्रस्तुति दे रहे कलाकारों ने रंग बरसे, होली के दिन दिल खिल जाते हैं, होली खेलें रघुवीरा, आज ब्रज में होली रे रसिया जैसे होली गीतों का सस्वर गायन कर सभी के उल्लास को दोगुना कर दिया। मुख्यमंत्री निवास में होली पर्व पर आयोजित मिलन समारोह में सभी को गुजिया, बालूशाही, ठंडाई सहित कई परंपरागत व्यंजन परोसे गए।

मुयमंत्री निवास में आयोजित हुआ होली मिलन समारोह, सीएम ने कहा

हर आंगन में सुख, शांति और समृद्धि के नए रंग बिखेरता है होली का उत्सव

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित होली मिलन समारोह में प्रदेशवासियों को उत्साह, उमंग और समरसता के पावन पर्व होली की बधाई और मंगलकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह उत्सव हर आंगन में सुख, शांति और समृद्धि के नए रंग बिखेरे और समाज में सद्भाव-सकारात्मकता और एकता का रंग सदा चटक रहे यही कामना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी से आत्मीयता और सौहार्द के साथ त्यौहार मनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने होली पर मुख्यमंत्री निवास पहुंचे नागरिकों के साथ होली की मंगलकामनाओं का आदान-प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास पधारे संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया। वरिष्ठ और गणमान्य नागरिकों का अभिवादन किया तथा सभी आगंतुकों पर पुष्प वर्षा एवं गुलाल उड़ाकर मेजबान के रूप में सबका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाले कलाकारों को गुलाल लगाया और पारम्परिक वाद्य यंत्रों के साथ उनके सुर में सुर भी मिलाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मुख्यमंत्री निवास पधारे राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, वरिष्ठ सांसद विष्णु दत्त शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, मनु श्रीवास्तव, शिवशेखर शुक्ला, प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव, सचिव परिवहन एवं आयुक्त जनसंपर्क मनीष सिंह, खाटू श्याम मंदिर भोपाल के प्रमुख प्रचारक पूज्य अनिल आनंद महाराज सहित कई जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, पत्रकार गण और वरिष्ठ अधिकारियों ने मंगलकामनाएं दीं।

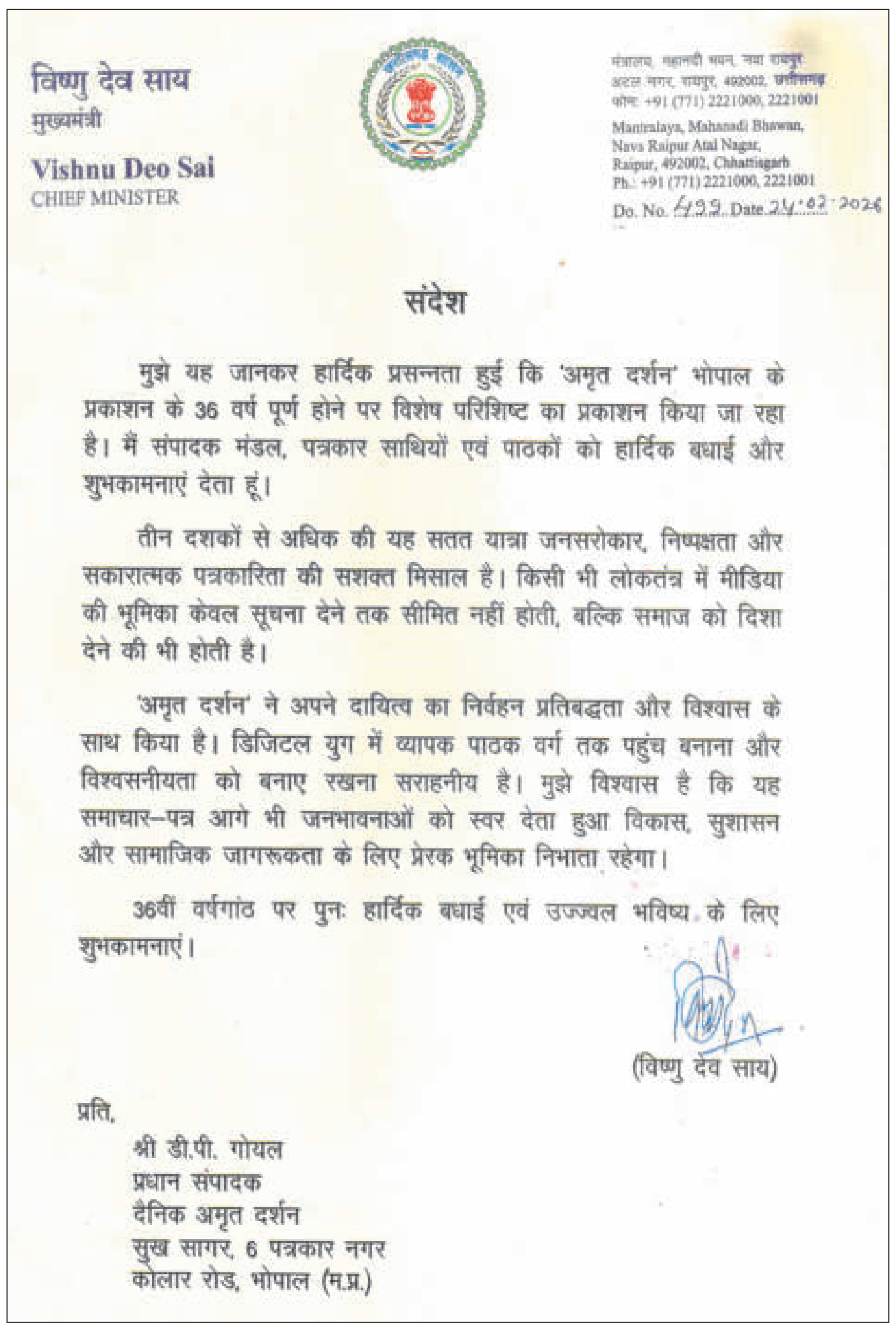

विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री
Vishnu Deo Sai
CHIEF MINISTER

मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर, 492002, छत्तीसगढ़
फोन: +91 (771) 2221000, 2221001
Mantralaya, Mahanadi Bhawan, Nava Raipur Atal Nagar, Raipur, 492002, Chhattisgarh
Ph.: +91 (771) 2221000, 2221001
Do. No. 499 Date 24-02-2026

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि 'अमृत दर्शन' भोपाल के प्रकाशन के 36 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष परिशिष्ट का प्रकाशन किया जा रहा है। मैं संपादक मंडल, पत्रकार साथियों एवं पाठकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

तीन दशकों से अधिक की यह सतत यात्रा जनसरोकार, निष्पक्षता और सकारात्मक पत्रकारिता की सशक्त मिसाल है। किसी भी लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका केवल सूचना देने तक सीमित नहीं होती, बल्कि समाज को दिशा देने की भी होती है।

'अमृत दर्शन' ने अपने दायित्व का निर्वहन प्रतिबद्धता और विश्वास के साथ किया है। डिजिटल युग में व्यापक पाठक वर्ग तक पहुंच बनाना और विश्वसनीयता को बनाए रखना सराहनीय है। मुझे विश्वास है कि यह समाचार-पत्र आगे भी जनभावनाओं को स्वर देता हुआ विकास, सुशासन और सामाजिक जागरूकता के लिए प्रेरक भूमिका निभाता रहेगा।

36वीं वर्षगांठ पर पुनः हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

(विष्णु देव साय)

प्रति,
श्री डी.पी. गोयल
प्रधान संपादक
दैनिक अमृत दर्शन
सुख सागर, 6 पत्रकार नगर
कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.)

कनाडाई पीएम ने की तारीफ

बेजोड़ शख्स हैं प्रधानमंत्री मोदी

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में आयोजित एक सेमिनार में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पीएम नरेंद्र मोदी की जमकर सराहना की। उन्होंने पीएम मोदी को एक अनोखा इंसान बताया। कार्नी ने भारत के अपने पिछले दौरे और मोदी के साथ हुई मुलाकात के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि मोदी का

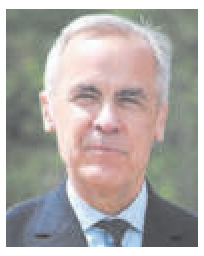

समर्पण अद्भुत है। पिछले 25 वर्षों में उन्होंने एक भी दिन की छुट्टी नहीं ली है। चाहे वे गुजरात के मुख्यमंत्री रहे हों या अब देश के प्रधानमंत्री, उन्होंने लगातार काम किया है। कार्नी ने बताया कि मोदी हर वीकेंड पर चुनाव प्रचार के लिए जाते हैं। उनकी रैलियों में ढाई लाख से ज्यादा लोग जुटते हैं। उन्होंने मोदी के काम करने के तरीके पर भी बात की। कार्नी के अनुसार, मोदी का पूरा ध्यान गांव के लोगों की जरूरतों को पूरा करने पर रहता है। वे सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचाने में यकीन रखते हैं। उन्होंने भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम और यूपीआई की विशेष रूप से तारीफ की। कार्नी ने कहा कि मोदी ने एक ऐसा सिस्टम बनाया है जिसे कोई भी अपना सकता है। इस तकनीक की वजह से पैसा बिना किसी बिचौलिए के सीधे लोगों के खातों में पहुंचता है। इसमें किसी भी तरह की हेराफेरी की गुंजाइश नहीं रहती। इस बदलाव ने करोड़ों लोगों को देश की मुख्य अर्थव्यवस्था से जोड़ दिया है।

अंतर्मना उवाच

सुख दुःख कुछ नहीं, सिर्फ मन का समीकरण है..!

*'मन' शब्द बड़ा ही चमत्कारिक है - **मन के आगे 'न' लगाने से 'नमन' हो जाता है और 'न' शब्द मन के पीछे लगाने से 'मनन' हो जाता है।** यदि जीवन में मनन और नमन को आत्मसात कर लें, तो जीवन सुख शांति से भर जाये और सफल सार्थक भी हो जाये।*

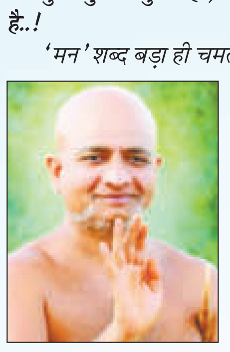

*आज मन को शांत रखना ही सबसे कठिन काम हो गया है। **मन की अशांति के कारण** -- ना नींद आती है, ना भूख लगती है ना प्यास, ना किसी से बात करने का मन करता है, ना कहीं जाने आने का, ना जाप में मन लगता है, ना पाठ में, ना मंदिर में। मन की अस्वस्थत: शरीर को लाचार और परेशान कर देती है।*

***75% मन की अशांति -- मोबाइल के कारण से है।** इसलिए तीन समय मोबाइल को इग्नोर करें --*

- *भोजन के समय मोबाइल को चार्जिंग पर लगा दें।*
- *सोने से पहले बिस्तर पर जाते समय मोबाइल का इंटरनेट बंद कर दें।*
- *शौचालय जाते समय मोबाइल साथ लेकर न जाएँ।*

*फिर देखो -- **सभी कार्य समय से संपन्न होंगे और कार्य करने का आनंद भी आयेगा...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

बिहार में बदला सियासी समीकरण, मिलेगा नया सीएम

सीएम नीतीश ने राज्यसभा जाने का किया ऐलान कांग्रेस बोली- बिहार में तख्तापलट किया गया

पटना ■ एजेंसी

जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार अब बिहार के मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। वह राज्यसभा जा रहे हैं। उन्होंने खुद इसका ऐलान कर दिया है। दो दशकों से जिस बिहार में वह सियासत कर रहे थे, उसे उन्होंने अलविदा कर दिया है। अब वह दिल्ली जा रहे हैं। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पर जो बयान दिया, उसने सारी अटकलों पर विराम लगा दिया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद स्पष्ट कर दिया है कि वह राज्यसभा जाएंगे। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि वह राज्यसभा का सदस्य बनना चाहते हैं।

नीतीश कुमार ने कहा कि राज्य में जो भी नई सरकार बनेगी, उसका उनका पूरा सहयोग और मार्गदर्शन रहेगा। पिछले दो दशक से भी अधिक समय से आपने अपना विश्वास एवं समर्थन मेरे साथ लगातार बनाए रखा है, तथा उसी के बल पर हमने बिहार की और आप सब लोगों की पूरी निष्ठा से सेवा की है। आपके विश्वास और समर्थन की ही ताकत थी कि बिहार आज विकास और सम्मान का नया आयाम प्रस्तुत कर रहा है। इसके लिए पूर्व में भी मैंने आपके प्रति कई बार आभार व्यक्त किया है। संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही मेरे मन में एक इच्छा थी कि मैं बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के भी दोनों सदनों का सदस्य बनूँ। इसी क्रम में इस बार हो रहे चुनाव में राज्यसभा का सदस्य बनना चाह रहा हूँ। मैं आपको पूरी ईमानदारी से विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि आपके साथ मेरा यह संबंध भविष्य में भी बना रहेगा एवं आपके साथ मिलकर एक विकसित बिहार बनाने का संकल्प पूर्ववत कायम रहेगा। जो नई सरकार बनेगी उसको मेरा पूरा सहयोग एवं मार्गदर्शन रहेगा।

जदयू की कमान संभालेंगे बेटे निशांत कुमार, सीएम हाउस के बाहर जेडीयू कार्यकर्ताओं का हंगामा

नीतीश कुमार जाएंगे राज्यसभा, बोले- नई सरकार को मेरा पूरा सहयोग रहेगा

निशांत कुमार संभालेंगे जदयू की कमान, डिप्टी सीएम भी बनेंगे

सीएम नीतीश कुमार से बातचीत के बाद केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने निशांत कुमार से मुलाकात करने पहुंचे हैं। ललन सिंह निशांत से आगे की योजना पर चर्चा कर रहे हैं। निशांत की भूमिका क्या होगी? उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा? यह सब पर ललन सिंह बातचीत कर रहे हैं। सूत्र बता रहे हैं कि निशांत कुमार को जनता दल यूनाईटेड की कमान संभालेंगे। वहीं उन्हें डिप्टी सीएम बनाने की तैयारी भी शुरू कर दी गई है।

यह एक बहुत बड़ा पॉलिटिकल अपहरण: मृत्युंजय तिवारी

राजद नेता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि किसी को इस बात का अंदाजा नहीं था कि बीजेपी नीतीश कुमार को चुनाव के बाद इतनी जल्दी हटा देगी। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव लगातार कह रहे थे कि बीजेपी जदयू को खत्म कर देगी और नीतीश कुमार को सीएम पद से हटा देगी। आरोप लगाया कि जदयू के बहुत सारे लोग बीजेपी से मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत बड़ा पॉलिटिकल अपहरण है। कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि बिहार चुनाव प्रचार के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जो बात बार-बार कह रही थी, वह अब सच साबित हो गई है। साजिश के तहत बिहार में तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा कर लिया गया है।

नीतीश को नहीं जाने देंगे दिल्ली: जदयू कार्यकर्ता

सीएम नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की खबर से जदयू कार्यकर्ताओं का आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। सीएम हाउस के सामने जदयू कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। वह कह रहे हैं कि हमलोग किसी कीमत पर नीतीश कुमार को दिल्ली नहीं जाने देंगे। जदयू कार्यकर्ताओं ने ललन सिंह और संजय झा के खिलाफ नारेबाजी भी की। जदयू कार्यकर्ताओं के हंगामा को देखते हुए पटना पुलिस ने सीएम हाउस के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी है। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा खुद सीएम हाउस के बाहर पहुंचे हैं। वह आक्रोशित लोगों को समझाने में जुटे हैं। जदयू कार्यकर्ताओं ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में सीएम नीतीश कुमार के चेहरे पर ही हमलोगों ने वोट दिया है। जनता और कार्यकर्ताओं की बात नीतीश कुमार को सुननी ही पड़ेगी। हमलोग किसी भी कीमत पर उन्हें दिल्ली नहीं जाने देंगे। जनता ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया है। यह अन्याय है। बिहार नीतीश कुमार का परिवार है। वह बिहार की जनता को छोड़कर कैसे जा सकते हैं? जदयू कार्यकर्ताओं ने सीएम हाउस के सामने जमकर नारेबाजी की।

वानखेड़े में किसका बजेगा डंका?

भारत-इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल आज इतिहास बनाने का मौका

मुंबई ■ एजेंसी

टी20 विश्वकप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल आज यानी पांच मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत और इंग्लैंड की टीमें आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला शाम सात बजे शुरू होगा और टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी शाम साढ़े छह बजे होगा। यह मुकाबला सिर्फ सेमीफाइनल नहीं बल्कि इतिहास बनाने का मौका भी है, क्योंकि इस मैच का विजेता टीम टी20 विश्व कप के इतिहास में चौथी बार यानी सबसे ज्यादा बार फाइनल में पहुंचेगी। पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीको को नौ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। अब दुनिया की नजर भारत-इंग्लैंड की टक्कर पर है।

मुंबई का वानखेड़े स्टेडियम दुनिया के सबसे हाई-स्कोरिंग मैदानों में गिना जाता है। इसकी स्थापना 1974 में हुई थी। इस स्टेडियम में दर्शकों के बैठने की क्षमता करीब 32 हजार की है। यहां पहला टेस्ट साल 1975 में खेला गया था। जबकि पहला वनडे 1987 में खेला गया। इस मैदान पर पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 2012 में खेला गया। यह मैदान पारंपरिक रूप से फ्लैट पिच और छोटी बाउंड्री के लिए जाना जाता है। यहां गेंद सीधे बल्ले पर आती है, जिससे बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने में आसानी होती है। आईपीएल और टी20 अंतरराष्ट्रीय में छक्के-चौकों और रनों की बारिश होते हमने देखा है। यहां दोनों पारियों में बल्लेबाजों को बराबर की मदद मिलती है। यहां कोई भी बड़ा स्कोर बनाकर खुद को सुरक्षित महसूस नहीं किया जा सकता।

ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने अमेरिका को दी कड़ी चेतावनी- उसे कड़वा पछतावा होगा

अमेरिका ने ईरान के डेना फ्रिगेट युद्धपोत को समुद्र में डुबोया

तेहरान ■ एजेंसी

अमेरिका ने ईरान के तट से 2000 मील दूर समुद्र में ईरान के डेना फ्रिगेट डेना युद्धपोत को समुद्र में डुबो कर महा-क्रूर अपराध किया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से यह बात कही है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अमेरिका ने ईरान के तट से 2,000 मील दूर समुद्र में एक क्रूरता की है।

फ्रिगेट डेना भारतीय नौसेना की अतिथि थी और लगभग 130 नाविकों को लेकर जा रही थी। अमेरिका द्वारा उस पर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में बिना चेतावनी के हमला किया गया। मेरे शब्दों को याद रखें-अमेरिका को जिस मिसाल का उसने निर्माण किया है, उसका उसे कड़वा

पछतावा होगा।

ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने अमेरिका के इस हमले पर कड़ी प्रतिक्रिया देने की बात कही है। उन्होंने चेताया है कि ऐसा करके अमेरिका ने महाअपराध के साथ बड़ी क्रूर गलती की है, जिसका उसे आने वाले समय में बहुत बड़ा अफसोस होगा। अराघची ने एक्स के माध्यम से ईरानी युद्धपोत के डूबने की घटना पर प्रतिक्रिया है, जिसे अमेरिकी नौसेना की एक पनडुब्बी ने भारतीय महासागर में श्रीलंका के दक्षिणी तट से लगभग 40 नॉटिकल मील दूर एक मार्क 48 टॉरपीडो से डुबो दिया।

अमेरिकी रक्षामंत्री ने कहा-शांत मौत

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पेंटागन की ब्रिफिंग में ईरानी युद्धपोत डेना को डुबोने की पुष्टि की और इसे शांत मौत करार दिया। उन्होंने कहा कि यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दुश्मन जहाज पर पहला टॉरपीडो हमला है। मौज क्लास फ्रिगेट ईरान की नौसेना का नया और महत्वपूर्ण जहाज था, जो सतह-से-हवा मिसाइल, एंटी-शिप मिसाइल और टॉरपीडो से लैस था। जहाज पर लगभग 180 नाविक सवार थे। श्रीलंका की नौसेना ने डिस्ट्रेस कॉल मिलने पर बचाव अभियान चलाया। रिपोर्ट्स के अनुसार, 87 शव बरामद हुए, 32 नाविकों को बचाया गया।

ईरान-इजराइल तनाव के बीच मप्र सरकार की बड़ी पहल

खाड़ी देश में रह रहे नागरिकों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी

भोपाल। ईरान-इजराइल के बीच तनाव को देखते हुए मप्र सरकार ने खाड़ी देश में रह रहे अपने नागरिकों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। प्रदेश सरकार ने नई दिल्ली में कंट्रोल रूम भी बनाया है। जहां हर संभव मदद मिलेगी। अध्ययन, नौकरी, व्यवसाय या पर्यटन के लिए गए नागरिक मदद ले सकेंगे। संबंधित अन्य एजेंसियों से संपर्क कर सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। हेल्पलाइन नंबर: 011-26772005, व्हाट्सएप नंबर 9818963273 और ईमेल mphelpdeskgulf@gmail.com में संपर्क किया जा सकता है।

जबलपुर में होली की रात बवाल

दो गुटों में जमकर पथराव और फायरिंग, इलाके में भारी तनाव

जबलपुर ■ अमृत दर्शन

यहां होली का त्यौहार उस समय तनावपूर्ण हो गया जब बेलबाग थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले छोटी ओमती क्षेत्र में दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष छिड़ गया। मामूली कहासुनी से शुरू हुआ यह विवाद देखते ही देखते उग्र पथराव और गोलीबारी में बदल गया।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और पुलिस को स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तीन थानों का बल तैनात करना पड़ा। इस हिंसा में एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। जबलपुर के छोटी ओमती क्षेत्र में होली खेलने के बाद जब लोग अपने घरों के बाहर बैठे थे, तभी पुरानी रंजिश को लेकर दो गुटों के बीच विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते विवाद ने इतना उग्र रूप ले लिया कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पत्थरों की बारिश कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और उपद्रवियों को खदेड़ा। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। गोली चलने की आवाज सुनते ही पूरे इलाके में भगदड़ मच गई।

महू-नीमच हाईवे पर हादसा

चारभुजाजी यात्रा पर जा रहे श्रद्धालु को ट्रक ने कुचला, एक की मौत; दो अन्य घायल

रतलाम ■ निसं

मृतक नरेंद्र कुमार शुक्ला

महू-नीमच हाईवे पर जावरा के आगे ग्राम परवलिया के समीप श्री चारभुजाजी नाथ की यात्रा पर पैदल जा रहे रतलाम के तीन श्रद्धालुओं (पैदल यात्री) को पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी। इससे एक श्रद्धालु की मौत हो गई तथा उनके दो साथी घायल हो गए। महू-नीमच हाईवे पर जावरा के आगे ग्राम परवलिया के समीप बुधवार दोपहर श्री चारभुजाजी नाथ की पैदल यात्रा पर जा रहे रतलाम के तीन श्रद्धालुओं को पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में एक श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

जानकारी के अनुसार राजस्थान के राजसमंद जिले में स्थित श्री चारभुजाजी नाथ मंदिर में दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल यात्रा करते हैं। रतलाम निवासी 68 वर्षीय नरेंद्र कुमार शुक्ला (सेवानिवृत्त अनुविभागीय अधिकारी, मध्यप्रदेश बिजली कंपनी) निवासी रामगढ़, भगवती काबरा एवं मनोहर मूंदड़ा निवासी धानमंडी, चारभुजाजी मंदिर के दर्शन हेतु पैदल निकले थे। बुधवार दोपहर करीब साढ़े तीन से चार बजे के बीच, जब वे रतलाम से लगभग 45 किलोमीटर दूर महू-नीमच हाईवे पर ग्राम परवलिया के पास पहुंचे, तभी पीछे से आए एक तेज गति ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को तत्काल जावरा के शासकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। उपचार के दौरान नरेंद्र कुमार शुक्ला ने दम तोड़ दिया। उनकी मृत्यु की खबर मिलते ही समाजसेवी गोविंद काकानी, अनिल पुरोहित सहित परिजन और बड़ी संख्या में समाजजन मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। घायल भगवती काबरा का मेडिकल कॉलेज में उपचार जारी है, जबकि मनोहर मूंदड़ा को प्राथमिक उपचार के बाद एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिंगनोद थाना अंतर्गत ढोढर पुलिस चौकी के प्रभारी एसआई रघुवीर जोशी ने बताया कि तीनों श्रद्धालु पैदल यात्रा पर थे, तभी ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में एक की मौत हुई है और दो घायल हैं।

डिंडोरी में सड़क पर संग्राम

रामबाई धर्मशाला के सामने दो गुटों में जमकर मारपीट, इलाके में मची अफरा-तफरी

डिंडोरी ■ निसं

डिंडोरी में रामबाई धर्मशाला के सामने दो गुटों के बीच मामूली कहासुनी मारपीट में बदल गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लात-घूंसे बरसाए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया। कुछ लोगों को हल्की चोटें आईं, जांच जारी है।

डिंडोरी शहर में बुधवार की शाम को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत रामबाई धर्मशाला के सामने दो गुटों के बीच अचानक झड़प हो गई। देखते ही देखते मामूली कहासुनी ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे पर लात-घूंसे बरसाने लगे। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर बहस हो रही थी। कुछ ही मिनटों में विवाद इतना बढ़ गया कि बात हाथापाई तक पहुंच गई। सड़क किनारे हो रही इस मारपीट को देखकर राहगीर रुक गए और मौके पर भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन गुस्से में दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हमला करते रहे।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के पहुंचने से पहले ही कुछ लोग वहां से हट गए थे, जबकि कुछ को समझाइश देकर शांत कराया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों पक्षों के कुछ लोगों को हल्की चोटें आई हैं।

संक्षिप्त समाचार

नर्मदा के बरमान घाट पर नहाने गए दो दोस्तों की डूबने से मौत, नरसिंहपुर में मातम

नरसिंहपुर। बरमान घाट पर स्नान के दौरान गहरे पानी में डूबने से 24 वर्षीय संभव हरियानी और 25 वर्षीय सौरभ चावला की मौत हो गई। दोनों नरसिंहपुर के सिंधी कॉलोनी निवासी थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की, सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठे हैं। बरमान स्थित मां नर्मदा रेत घाट पर बुधवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया। स्नान करने पहुंचे दो युवकों की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। घटना दोपहर करीब 2 से 4 बजे के बीच की बताई जा रही है। हादसे के बाद सिंधी कॉलोनी सहित स्टेशन गंज इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस के मुताबिक, कृष्णा वार्ड निवासी संभव हरियानी (24), पिता कैलाश हरियानी और सौरभ चावला (25), पिता अनिल चावला 'अन्नू', अपने दो अन्य मित्रों के साथ बरमान घाट पर नहाने पहुंचे थे। नहाते समय अचानक दोनों युवक गहरे पानी की ओर बढ़ गए। पानी का बहाव और गहराई का अंदाजा न लग पाने के कारण वे डूबने लगे। घाट पर मौजूद नाविकों और स्थानीय लोगों ने तत्काल बचाव शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद दोनों को पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी हालत गंभीर हो चुकी थी। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया।

घर में सो रहे युवक पर हमला, पीट-पीटकर की हत्या

ग्वालियर। ग्वालियर में घर घुसकर सो रहे युवक पर बाप-बेटे समेत तीन हमलावरों ने लाठी-लुहांगी से हमला कर दिया। हमलावरों ने बेरहमी से युवक के हाथ-पैर, सिर और सीने पर वार किए। इसके बाद हमलावर बंदूक से गोलियां चलाते हुए भाग गए। घटना 03 मार्च की रात 11.30 बजे बिजौली के सरसपुरा गांव की है। घायल को परिजन गंभीर हालत में जेएएच के ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे थे, जहां इलाज के दौरान बुधवार को घायल ने दम तोड़ दिया है। पता लगा है कि मृतक, हमलावर के नाती के बर्थ-डे पार्टी में गया था। वहां किसी बात पर मुंहवाद हो गया था। उस समय तो रिश्तेदारो के बीच बात आई गई हो गई, लेकिन रात को हमलावरों ने हमला कर दिया। पुलिस ने शव को निगरानी में ले लिया है। साथ ही पोस्टमार्टम कराया गया है। पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर रही है। ग्वालियर के बिजौली थाना स्थित सरसपुरा गांव में गब्बर सिंह का टोला निवासी 45 वर्षीय रामसेवक उर्फ बल्ली पुत्र गब्बर सिंह गुर्जर पेशे से किसान था और शराब पीने का आदी था। मंगलवार को गांव में ही रहने वाले ऑफिसर गुर्जर उर्फ मुन्ना के घर पर नाती का बर्थ-डे समारोह था। समारोह में रामसेवक भी न्यौता खाने गया था।

ग्वालियर पुलिस लाइन में अफसर-जवानों ने खेली होली

ग्वालियर। ग्वालियर में होली के दौरान 72 घंटे की ड्यूटी पूरी करने के बाद गुरुवार को पुलिस लाइन में पुलिस अफसरों और जवानों ने होली का उत्सव मनाया। इस दौरान अधिकारी और कर्मचारी रंग-गुलाल में सराबोर नजर आए और डीजे पर होली गीतों पर जमकर नाचे। एसएसपी धर्मवीर सिंह ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को होली की शुभकामनाएं देकर समारोह की शुरुआत की। इसके बाद अफसरों और जवानों ने एक-दूसरे को रंग और गुलाल लगाया। कार्यक्रम में 'आयो नंदगांव से होली खेलन' सहित कई होली गीतों पर एसएसपी, एएसपी, सीएसपी, डीएसपी और महिला पुलिस अधिकारी भी थिरकते नजर आए। पूरे परिसर में उत्सव का माहौल रहा।

उज्जैन बड़नगर मंडी पांचवे दिन भी बंद रहेगी

व्यापारी-हम्मालों के बीच डाला भरवाई विवाद पर आज होगी बैठक, किसान परेशान

उज्जैन ■ निसं

व्यापारी और हम्मालों के बीच राशि बढ़ाने के विवाद को लेकर बड़नगर में 5 मार्च को भी मंडी बंद रहेगी। निलामी कार्य और खरीद-फरोख्त नहीं होगी हो सकेगी। पिछले चार दिनों से कृषि उपज मंडी बंद है। पांचवे दिन गुरुवार को भी मंडी शुरू नहीं हो पाएगी।

मंडी प्रशासन द्वारा व्यापारियों और हम्मालों के बीच चल रहे विवाद के निराकरण को लेकर 5 मार्च को एक बैठक बुलाई गई है। बैठक में निर्णय होने के बाद ही मंडी प्रारंभ होगी।

किसानों ने मंडी गेट पर प्रदर्शन किया: उज्जैन जिले की तहसील बड़नगर में कृषि उपज मंडी में फसल बेचने आए किसान पिछले पांच दिन से परेशान हो रहे है। शुक्रवार को व्यापारियों और हम्मालों में डाला भरवाई की राशि बढ़ाने को लेकर विवाद हो गया। इसके चलते नीलामी कार्य बंद हो जाने से उपज बेचने आए आक्रोशित सैकड़ों किसानों ने मंडी के मुख्य गेट पर ताला लगाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया था। दरअसल, हम्माल एसोसिएशन की मांगें दो माह पूर्व मंडी सचिव को लिखित में दी थी। लेकिन मंडी सचिव द्वारा हम्माल एसोसिएशन के आवेदन पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया।

मंडी खुलवाने के लिए प्रयास जारी: चार दिन से दूरदराज से आए सैकड़ों किसान परेशान होते रहे। शुक्रवार को किसानों द्वारा मंडी में प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही एसडीएम धीरेंद्र पाराशर भी मंडी पहुंच गए। पूर्व विधायक मोरवाल ने अधिकारी पाराशर से भी इस मामले को लेकर चर्चा की लेकिन कोई हल नहीं निकला। आज बैठक में निर्णय निकलने की सम्भावना है।

अवैध उत्खनन में ढाई महीने बाद भी कोई कार्रवाई नहीं

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम संभाग के सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र मोहासा में अवैध मिट्टी उत्खनन का बड़ा मामला सामने आने के बाद भी कार्रवाई ठंडी पड़ गई है। फेस-वन में करीब 12,319 घनमीटर मिट्टी की चोरी का मामला उजागर हुए ढाई महीने हो चुके हैं, लेकिन अब तक 1.83 करोड़ रुपये के संभावित जुर्माने पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। एमपीआईडीसी की ओर से भी इस मामले में चोरी का प्रकरण दर्ज नहीं कराया गया है, जिससे अवैध उत्खनन करने वालों के हौसले बुलंद हैं। जानकारी के मुताबिक मोहासा औद्योगिक क्षेत्र फेस-वन के प्लॉट नंबर P-18 से बड़ी मात्रा में मिट्टी खोदी गई और उसे पास के प्लॉट नंबर 23 (रेस ग्रीन एनर्जी) की जमीन पर खपा दिया गया। यह काम लंबे समय तक चलता रहा, लेकिन एमपीआईडीसी, खनिज, राजस्व और पंचायत से जुड़े जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। दरअसल यह प्लॉट पहले मेसर्स प्रीमियम इंजीनियर्स ग्लोबल एनवायरनमेंट प्राइवेट लिमिटेड को आवंटित था।

आग में 40 बीघा की फसल जलकर खाक

खेतों से गुजर रही लाइन के शॉर्ट-सर्किट की चिंगारी ने लिया बड़ा रूप

देवास ■ निसं

देवास जिले के टोकखुर्द क्षेत्र के नांदला गांव में शॉर्ट सर्किट के चलते खेतों में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते करीब 30 से 40 बीघा खेत इसकी चपेट में आ गए। इस घटना में 8 से 9 किसानों की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है।

ग्रामीणों के अनुसार, खेतों से गुजर रही विद्युत वितरण कंपनी की लाइन में शॉर्ट सर्किट होने से चिंगारी निकली, जिसके कारण सूखी फसल में आग लग गई। आग की लपटें तेज होने के कारण उस पर काबू पाने में काफी समय लग गया। आग लगने के बाद ग्रामीणों ने अपने स्तर पर उपलब्ध संसाधनों की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका।

हालांकि तब तक किसानों की बड़ी मात्रा में खड़ी फसल जलकर राख हो चुकी थी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो आग और अधिक फैल सकती थी, जिससे आसपास के कई अन्य किसानों के खेत भी इसकी चपेट में आ जाते। वहीं आग की सूचना लगते ही टोंक खुर्द थाना क्षेत्र की डायल 112 मौके पर पहुंची और पायलट राहुल जलोदिया सैनिक धर्मेंद्र चौहान ने भी ग्रामीणों के साथ आग को काबू पाने में मदद की।किसानों का कहना है कि उनके खेत में आग लगी है और आग लगने के कारण उनके लाखों रुपए की फसल जलकर खाक हो गई। इसका मुख्य कारण यहां से गुजरने वाली विद्युत वितरण कंपनी की लाइन है, जिसके चलते किसानों को नुकसान हुआ है।

रंगपंचमी पर इंदौर की गेर देखने छतें होंगी बुक, टिकट से मिलेगा रंगों का नजारा

इंदौर ■ निसं

इस बार रविवार होने से इंदौर में गेर की रौनक और भी बढ़ने वाली है। शहर की गलियों में खुशियों के रंग घोलने के लिए तैयार है। यह सिर्फ एक जुलूस नहीं, बल्कि इंदौर का वो बेमिसाल अहसास है जहां गेर में गैर भी अपने हो जाते है। इंदौर की रंगपंचमी पर निकलने वाली गेर शहर का एक अनोखा और खास त्योहार है। इस दिन पुराने शहर के इलाकों में रंगों के शौकीन बड़ी संख्या में गेर में शामिल होते हैं और रास्ते में खड़े लोगों पर रंग बरसाते हुए आगे बढ़ते हैं। गेर के दौरान आसमान में दूर-दूर तक रंगों के बादल छा जाते हैं। इन खूबसूरत नजारों का आनंद लेने के लिए इस बार भी शहर के लोग गेर वाले मार्गों पर स्थित मकानों की छतें बुक कर सकेंगे और अपने परिवार के साथ इस आयोजन का मजा ले पाएंगे। प्रशासन ने पिछले साल भी यह व्यवस्था की थी, जो काफी सफल रही थी।

शीतला माता बाजार से लेकर गौराकुंड और खजूरी मार्केट तक की छतों से लोग गेर की रौनक देख सकेंगे। हर साल इस आयोजन को देखने के लिए दूसरे शहरों से भी बड़ी संख्या में लोग इंदौर पहुंचते हैं। जिनके घर गेर के मार्ग पर पड़ते हैं, वहां अब छोटी-छोटी पार्टियों का भी आयोजन होने लगा है, जहां लोग अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को बुलाकर रंगपंचमी का उत्सव मनाते हैं। इस साल गेर के मार्ग पर स्थित आठ छतों पर 200 से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था की जाएगी। इनकी बुकिंग बुक माय शो के माध्यम से की जाएगी, जिसके लिए लोगों को टिकट खरीदना होगा। इस बार 8 मार्च को रविवार होने के कारण प्रशासन ने अलग से छुट्टी घोषित नहीं की है। रविवार होने की वजह से इस बार गेर में और अधिक भीड़ जुटने की संभावना जताई जा रही है। करीब चार किलोमीटर लंबे गेर मार्ग पर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बिजली के तार और केबल हटाए जा रहे हैं, साथ ही सड़कों की मरम्मत का काम भी किया जा रहा है।

पन्ना में देसी नुस्खा पड़ा भारी

कमर दर्द के इलाज में पिया धतूरे का काढ़ा, मां और दो बच्चे अस्पताल में भर्ती

पन्ना ■ निसं

पन्ना में कमर दर्द से परेशान महिला ने धतूरा और स्थानीय जड़ी-बूटी का काढ़ा बनाकर खुद और दो बच्चों को पिला दिया। काढ़ा पीते ही तीनों की हालत बिगड़ गई। जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने फूड पॉइजनिंग बताई।

कहते हैं, 'नीम हकीम खतरा-ए-जान' और पन्ना जिले में यह कहावत एक बार फिर सच साबित होती नजर आई। शरीर के दर्द से राहत पाने के लिए एक परिवार ने देसी नुस्खे पर भरोसा किया, लेकिन यह घरेलू इलाज उनके लिए जहर साबित हो गया। काढ़ा पीते ही मां और उसके दो बच्चों की हालत बिगड़ गई, जिसके बाद तीनों को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार पन्ना शहर निवासी 45 वर्षीय सावित्री बाई पिछले कई महीनों से हाथ-पैर और कमर दर्द से परेशान थीं। दर्द से राहत पाने के लिए उन्होंने किसी परिचित की सलाह पर धतूरा और 'गरज' नामक स्थानीय जड़ी-बूटी का काढ़ा तैयार किया। दोपहर के समय सावित्री बाई ने घर पर ही यह काढ़ा बनाया और खुद पीने के साथ-साथ अपने 22 वर्षीय बेटे शिवम आदिवासी और 24 वर्षीय बेटी रेखा आदिवासी को भी पिला दिया।

काढ़ा पीने के कुछ ही देर बाद तीनों को तेज चक्कर आने लगे और उल्टियां शुरू हो गईं। धीरे-धीरे शरीर सुन्न पड़ने लगा। अचानक तबीयत बिगड़ते देख परिवार में हड़कंप मच गया। परिजन तुरंत तीनों को जिला अस्पताल पन्ना लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद इसे फूड पॉइजनिंग का मामला मानते हुए तत्काल उपचार शुरू किया।

डॉक्टरों के अनुसार धतूरा एक जहरीला पौधा होता है और इसका सेवन बिना चिकित्सकीय सलाह के करना बेहद खतरनाक हो सकता है। इसकी थोड़ी सी मात्रा भी शरीर पर गंभीर दुष्प्रभाव डाल सकती है। समय पर अस्पताल पहुंच जाने के कारण तीनों की जान बच गई। फिलहाल डॉक्टरों के मुताबिक तीनों की हालत स्थिर बताई जा रही है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि बिना डॉक्टर की सलाह के किसी भी घरेलू या देसी नुस्खे को अपनाना जोखिम भरा हो सकता है। लोगों को चाहिए कि किसी भी तरह की शारीरिक परेशानी होने पर योग्य चिकित्सक से ही इलाज कराएं और सुनी-सुनाई बातों या सोशल मीडिया पर फैल रहे नुस्खों पर भरोसा न करें।

शहडोल ऑनलाइन गेम मामला

आठ दिन बाद मां ने तोड़ा दम, बेटी और पिता की पहले हो चुकी है मौत; अब 15 साल का बेटा बचा

शहडोल ■ निसं

शहडोल में ऑनलाइन गेमिंग की लत ने एक परिवार को तबाह कर दिया। कर्ज में डूबे शंकर लाल गुप्ता ने कोल्ड ड्रिंक में जहर मिलाकर पत्नी और बेटी को पिला दिया। तीनों अस्पताल पहुंचे, जहां इलाज के दौरान अब मां सहित तीनों की मौत हो गई।

ऑनलाइन गेमिंग की लत ने शहडोल में एक हंसते-खेलते परिवार को हमेशा के लिए उजाड़ दिया। कोतवाली थाना क्षेत्र की पुरानी बस्ती स्थित सत्यम वीडियो के पास 24 फरवरी की दरमियानी रात हुई इस दर्दनाक घटना में अब तीसरी मौत भी हो गई है। मेडिकल कॉलेज शहडोल में आठ दिनों तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद मां राजकुमारी ने भी दम तोड़ दिया। इससे पहले 25 फरवरी को पिता शंकर लाल गुप्ता और बेटी स्वाति गुप्ता की मौत हो चुकी थी।

पुलिस के अनुसार पुरानी बस्ती निवासी शंकर लाल गुप्ता को ऑनलाइन ब्ण्ठत और एविएटर (1द्बड्डह्लश्रह्) गेम की लत लग गई थी। बताया जा रहा है कि इस गेम में वह लगातार पैसे हारते गए और लाखों रुपये के कर्ज में डूब गए। आर्थिक दबाव और मानसिक तनाव के चलते उन्होंने 24 फरवरी की रात एक खौफनाक कदम उठा लिया।

आरोप है कि शंकर लाल ने कोल्डड्रिंक में जहर मिलाकर पहले अपनी पत्नी राजकुमारी और बेटी स्वाति को पिला दिया, इसके बाद खुद भी वही जहरीला पेय पी लिया। कुछ ही देर में तीनों की हालत बिगड़ने लगी। परिजनों और पड़ोसियों की मदद से उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

अस्पताल में इलाज के दौरान 25 फरवरी को शंकर लाल गुप्ता और उनकी बेटी स्वाति गुप्ता ने दम तोड़ दिया था, जबकि राजकुमारी का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा था। करीब आठ दिनों तक जिंदगी से जंग लड़ने के बाद आखिरकार राजकुमारी भी मौत के आगे हार गईं।

इस हृदय विदारक घटना के बाद परिवार में अब केवल 15 वर्षीय बेटा अनिकेत गुप्ता ही बचा है। घटना के समय वह घर पर मौजूद नहीं था, जिसके कारण वह जहरीला पेय पीने से बच गया और उसकी जान बच गई।

इस दर्दनाक हादसे ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है और ऑनलाइन गेमिंग व सट्टा जैसे प्लेटफॉर्म की खतरनाक लत को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक गलत फैसले ने पूरे परिवार को खत्म कर दिया और पीछे छोड़ गया एक मासूम बेटे का अकेलापन।

इंदौर में मां के सामने 5वीं मंजिल से कूदा युवक, मौत

इंदौर ■ निसं

इंदौर के चंदन नगर थाना क्षेत्र स्थित तापती परिसर में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात एक युवक ने पांचवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना रात करीब 2 से 3 बजे के बीच की बताई जा रही है। मृतक की पहचान राज (23) पिता मनोज मकवाना के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि गर्मी लगने के कारण वह रात में अपनी मल्टी के नीचे टहल रहा था। चौकीदार ने उससे देर रात घूमने की वजह पूछी। इसी दौरान वहां पुलिस की गाड़ी भी पहुंच गई।

जानकारी के मुताबिक पुलिसकर्मी ने राज को रोककर पूछताछ की और उसे थप्पड़ भी मारे। परिवार का आरोप है कि इसके बाद राज घबरा गया और पकड़े जाने के डर से मल्टी की पांचवीं मंजिल पर पहुंचकर नीचे कूद गया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है। शुरुआती जानकारी में यह भी सामने आया है कि राज मानसिक तनाव से जूझ रहा था। उसका इलाज चल रहा था।

भोपाल। राजधानी में होली उत्सव का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पुराने भोपाल में हर वर्ष के अनुसार इस बार भी विशाल चल समारोह में बड़ी संख्या में हिन्दु धर्मावलंबी शामिल हुए। हरियारों की भारी भरकम भीड़ और उनके उत्साह को देखते हुए चल समारोह मार्गों पर उनका पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। होली के मद्देनजर सुरक्षा का कड़ा पहरा रहा। पुलिस एवं जिला प्रशासन के बड़े अधिकारी लाव लश्कर के साथ स्थिति पर नजर बनाए हुए थे। श्री हिन्दु उत्सव समिति के नेतृत्व में पुराने शहर में होली चल समारोह का बड़े स्तर पर परंपरागत जुलूस निकाला गया।

संक्षिप्त समाचार

शहर के मंदिरों में आठ दिवसीय श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान का समापन

भोपाल। राजधानी के जैन मंदिरों में अष्टानी का पर्व के अवसर पर आठ दिवसीय सृष्टि चक्र महामंडल विधान का समापन हुआ। मंदिरों में अभिषेक पूजा अर्चना के साथ विश्व शांति महायज्ञ में आहुतियां दी गई। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि नंदीश्वर जिनालय में विराजमान भगवान जिनेंद्र की प्रतिमाओं का अभिषेक शांति धारा के साथ 1024 अर्ग समर्पित किए गए। इन दिनों में श्रद्धालुओं ने संयम नियम के साथ भौतिक सुख सुविधाओं को दूर कर विशेष आराधना की,, ओर व्रत उपवास किए। जिनालय में प्रमुख मंडल पर श्रीफल समर्पित कर सभी के मंगल में जीवन की कामना और जगत में शांति की कामना की गई। इस विशेष अवसर पर विश्व शांति महायज्ञ में आहुति के साथ सारे संसार में विनाश बंद हो और सभी विकास की ओर अग्रसर हो विशेष प्रार्थना की गई। मंदिर समिति द्वारा पुण्याजर्क परिवारों का बहुमान किया गया। संचालन डॉ सर्वज्ञ जैन ने किया। इस अवसर पर अध्यक्ष एडवोकेट विजय चौधरी, प्रमोद ऊषा चौधरी, सो धर्म इंद्र कमल क्रांति, द्रव्य सहयोग अरविंद अर्चना, प्रियेश अर्पिता आर टी ओ, कुबेर पदम संगीता, श्रीपाल मेना सुंदरी राकेश सुनीता सलामतपुर, महायज्ञ नायक शैलेश रेखा, डॉ सर्वज्ञ, जीतू सिलवानी, नील चौधरी अन्य प्रमुख इंद्र विपिन विनीता सिंघई, विनोद पुष्पा जैन, डॉ शैलेंद्र डॉ स्वाति, मनोज बबलू, नीलिमा सृजन, अजीत वंदना बर्फी हाउस, प्रशांत अमिता अशोक, सुनीता आर एस आनंद, नीलम वर्धन, चक्रेश ममता चौधरी, ऋषभ कमलेश सिंघई, निर्मल सरोज हुंडी, नरेंद्र शोभा बजाज मौजूद थे।

एम्स भोपाल में द्विभाषी पुस्तक 'शरीर क्रिया विज्ञान में बहुविकल्पीय प्रश्न' का विमोचन

भोपाल। एम्स भोपाल में चिकित्सा शिक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में एक नई पहल की गई है। संस्थान में द्विभाषी पुस्तक 'शरीर क्रिया विज्ञान में बहुविकल्पीय प्रश्न' का विमोचन किया गया। यह पुस्तक चिकित्सा विद्यार्थियों के लिए एक उपयोगी अध्ययन सामग्री के रूप में तैयार की गई है। यह पुस्तक डॉ. वरुण मल्होत्रा (अतिरिक्त प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स भोपाल) और डॉ. ज्योति केसवानी (संत हिरदाराम मेडिकल कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योग में प्रोफेसर और योग विभाग की प्रमुख) द्वारा लिखी गई है। पुस्तक का विमोचन एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ, प्रो. (डॉ.) माधवानन्द कर की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर डॉ. संतोष वाकोडे (विभागाध्यक्ष, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स भोपाल) भी मौजूद रहे। पुस्तक में शरीर के विभिन्न तंत्रों से जुड़े बहुविकल्पीय प्रश्न दिए गए हैं। हर प्रश्न के साथ उसका स्पष्ट और विस्तृत उत्तर भी दिया गया है। इससे विद्यार्थियों को केवल सही विकल्प चुनने की तैयारी ही नहीं, बल्कि विषय को समझने का अवसर भी मिलेगा। यह पुस्तक छात्रों को स्मरण आधारित अध्ययन के बजाय समझ के आधार पर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करती है। पुस्तक की खास बात इसका द्विभाषी प्रारूप है। यह हिंदी और अंग्रेजी दोनों में उपलब्ध है, जिससे विभिन्न पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए भी यह पुस्तक सहायक सिद्ध होगी।

फिल्मी गानों पर थिरके पुलिस के अफसर-कर्मचारी

कीचड़ में जमकर खेली होली, भोपाल में डीजीपी सहित आला अधिकारी मौजूद, इंदौर में नहीं हुआ आयोजन

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल में गुरुवार को नेहरू नगर स्थित पुलिस परेड ग्राउंड में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डीजीपी कैलाश मकवाना, पुलिस कमिश्नर संजय कुमार, एसीपी, आरआई सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और पुलिसकर्मी मौजूद रहे। समारोह के दौरान डीजे की धुन पर पुलिस अधिकारी और कर्मचारी फिल्मी गीतों पर जमकर झूमते नजर आए। पुलिस लाइन में आयोजित इस होली मिलन समारोह में रंग-गुलाल के साथ खास तौर पर कीचड़ और मिट्टी की होली भी खेली गई। कार्यक्रम में पहुंचे पुलिसकर्मी और उनके परिजन कीचड़ और मिट्टी में सराबोर दिखाई दिए। आयोजन स्थल पर सभी के लिए खाने-पीने और स्नैक्स की व्यवस्था भी की गई। वहीं ग्वालियर, उज्जैन में भी पुलिसकर्मियों के होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ।

इंदौर में नहीं हुई आयोजन: इंदौर में भी परंपरागत रूप से होली के दूसरे दिन पुलिसकर्मी आपस में होली खेलते हैं, लेकिन इस बार कंट्रोल रूम में सन्नाटा नजर आया। अफसरों ने भी डीआरपी लाइन में होली मिलन का कोई आयोजन नहीं किया। बताया जा रहा है कि भागीरथपुरा कांड के बाद इस बार पुलिस अधिकारियों और शहर के नेताओं ने दूरी बनाए रखी और होली का कार्यक्रम आयोजित नहीं किया।

टीम वर्क को मजबूत करना मुख्य उद्देश

सहायक पुलिस आयुक्त एमपी नगर मनीष भारद्वाज ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भोपाल पुलिस लाइन में होली मिलन समारोह का विशेष आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में सभी पुलिस अधिकारी और कर्मचारी आपसी सौहार्द के साथ मिलकर त्योहार मनाते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों का उद्देश्य टीमवर्क को मजबूत करना और आपसी समन्वय बढ़ाना है।

होलिका दहन से होली तक 72 घंटे की ड्यूटी: पुलिस अधिकारियों के अनुसार होलिका दहन से लेकर होली खेलने तक शहर में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस ने लगातार 72 घंटे ड्यूटी की थी। परंपरा के अनुसार पुलिसकर्मी होली के अगले दिन सामूहिक रूप से उत्सव मनाते हैं।

आरआई भोपाल जयसिंह तोमर ने कहा कि हर वर्ष परंपरा के अनुसार धुलेड़ी के बाद पुलिस का विराट होली महोत्सव आयोजित किया जाता है। इस आयोजन में वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर थानों तक के सभी अधिकारी-कर्मचारी शामिल होते हैं। उन्होंने कहा कि होली रंगों और खुशियों का त्योहार है, इसलिए सभी लोग कानून-व्यवस्था का पालन करें और देश की उन्नति में अपना योगदान दें।

ग्वालियर में जमकर झूमें पुलिसकर्मी: इधर, ग्वालियर में होली के दौरान 72 घंटे की ड्यूटी पूरी करने के बाद गुरुवार को पुलिस लाइन में पुलिस अफसरों और जवानों ने होली का उत्सव मनाया। इस दौरान अधिकारी और कर्मचारी रंग-गुलाल में सराबोर नजर आए और डीजे पर होली गीतों पर जमकर नाचे।

एसएसपी धर्मवीर सिंह ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को होली की शुभकामनाएं देकर समारोह की शुरुआत की। इसके बाद अफसरों और जवानों ने एक-दूसरे को रंग और गुलाल लगाया।

होली गीतों पर थिरके पुलिस अधिकारी: कार्यक्रम में 'आयो नंदगांव से होली खेलन' सहित कई होली गीतों पर एसएसपी, एएसपी, सीएसपी, डीएसपी और महिला पुलिस अधिकारी भी थिरकते नजर आए। पूरे परिसर में उत्सव का माहौल रहा।

पंडाल में अधिकारियों और जवानों के लिए अलग व्यवस्था: पुलिस लाइन में होली समारोह के लिए विशेष पंडाल बनाया गया था। इसमें आईजी, डीआईजी, एसएसपी, एडिशनल एसपी, सीएसपी, डीएसपी और थाना प्रभारियों के लिए अलग व्यवस्था की गई थी, जबकि बाद में जवानों के लिए कार्यक्रम रखा गया।

होली पर भांग पीकर नाचते-नाचते प्रोफेसर की मौत

परिजन बोले- 1 लीटर दूध में 6 गोलियां मिलाई; प्राइवेट कॉलेज में पढ़ाते थे

कृष्णा नायक, मृतक

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल के ऐशबाग इलाके में रहने वाले प्रोफेसर की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। होली खेलने के दौरान दोस्तों के साथ भांग पीने के बाद तबीयत बिगड़ी और अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान कृष्णा नायक (25) पुत्र उमेश नायक, निवासी ऐशबाग के रूप में हुई है। पुलिस ने शुरुआती जांच में हार्ट अटैक से मौत की आशंका जताई है। पुलिस के अनुसार मौत के सही कारण का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद चलेगा। पुलिस के अनुसार प्रोफेसर कृष्णा नायक ने बुधवार शाम तक दोस्तों के साथ होली खेली थी। इस दौरान उन्होंने दोस्तों के साथ भांग भी पी थी। फिर जमकर डांस किया। बाद में घबराहट होने पर वह एक दोस्त के कमरे में गए, जहां अचानक बेहोश होकर गिर पड़े।

दोस्तों ने उन्हें फौरन अस्पताल पहुंचाया, जहां कुछ देर चले इलाज के बाद डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। गुरुवार दोपहर पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया।

1 लीटर दूध में भांग की 6 गोलियां मिलाई: कृष्णा के रिश्तेदार बेनी प्रसाद शर्मा ने बताया कि उसने दोस्तों के साथ जमकर रंग खेला। उसने एक लीटर दूध में भांग की 6 गोली डाली। इसके बाद तैयार हुई भांग को अकेले ही पी गया था।

एमपी नगर के कोचिंग संस्थान में पढ़ाता था: परिजन के अनुसार कृष्णा नायक ने भोपाल के एक निजी संस्थान से बीटेक की पढ़ाई की थी। वह एक प्राइवेट कॉलेज में प्रोफेसर थे। एमपी नगर स्थित एक निजी कोचिंग संस्थान में छात्रों को पढ़ाते भी थे। पुलिस ने मृतक के परिजन और दोस्तों के बयान दर्ज किए हैं। पुलिस का कहना है कि बयान और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

वन विभाग से मंजूरी में देरी बनी रोड में रोड़ा

48 सड़क परियोजनाएं 117 से 1838 दिन तक लटकी रहीं

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश में वन विभाग से समय पर मंजूरी नहीं मिलने के कारण 48 सड़क निर्माण परियोजनाएं लंबित हो गईं। कैग की रिपोर्ट में इसे विभागों के बीच समन्वय की कमी और कमजोर योजना का परिणाम बताया गया है।

सड़क निर्माण कार्यों में वन विभाग से आवश्यक स्वीकृति समय पर नहीं मिलने के कारण प्रदेश में 48 परियोजनाओं में बड़ी देरी हुई है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में इसे प्लानिंग समन्वय की कमी का परिणाम बताया गया है। कैग रिपोर्ट के मुताबिक, मई 2023 से जून 2024 के बीच 16 संभागों में समीक्षा के दौरान पाया गया कि वन विभाग से अनुमति, भूमि विवाद, अतिक्रमण और यूटिलिटी शिफ्टिंग में देरी के कारण 48 कार्यों को पूरा होने में 117 से लेकर 1,838 दिनों तक का अतिरिक्त समय लगा। यानी कई दिनों तक काम लटका रहा। इसमें अधिकारियों की लापरवाही सामने आई है, जिन्होंने बिना अनुमति के ही काम शुरू कर दिया। इससे समय ज्यादा लगने के साथ ही लागत भी बढ़ी।

वन विभाग की पूर्व मंजूरी जरूरी: मध्यप्रदेश निर्माण विभाग नियमावली और वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत वन भूमि के डायवर्जन के लिए भारत सरकार से पूर्व स्वीकृति अनिवार्य है। इसके बावजूद कई कार्य आवश्यक मंजूरी सुनिश्चित किए बिना शुरू कर दिए गए। ऑडिट रिपोर्ट में साफ किया कि इस प्रकार की कार्यप्रणाली से न केवल समय और लागत में वृद्धि हुई, बल्कि परियोजनाओं की प्रभावशीलता भी प्रभावित हुई।

रिपोर्ट के अनुसार भोपाल नगर निगम सम्मेलन (जून 2025) में शासन ने राजस्व और वन विभाग के बीच अधिकार क्षेत्र के स्पष्ट नहीं होने की बात स्वीकार की और जांच के बाद सुधारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिना पूर्व स्वीकृति कार्य शुरू करना प्लानिंग की कमी को दर्शाता है। भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए सख्त अनुपालन जरूरी है।

अमरीन-आफरीन मामले में नया खुलासा

धर्मांतरण और देह व्यापार के बाद ड्रग्स नेटवर्क का आरोप

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल में दुष्कर्म और कथित धर्मांतरण मामले में गिरफ्तार दो बहनों पर अब ड्रग्स तस्करी कराने का आरोप लगा है। पीड़िताओं ने पुलिस आयुक्त से शिकायत कर पब-लाउंज में एमडी सप्लाई का दावा किया। राजधानी में दुष्कर्म और कथित धर्मांतरण के लिए युवतियों को बहलाने-फुसलाने के आरोप में गिरफ्तार दो सगी बहनों अमरीन और आफरीन के खिलाफ अब ड्रग्स तस्करी से जुड़े गंभीर आरोप भी सामने आए हैं। दोनों पीड़ित युवतियां शुक्रवार शाम पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचीं और पुलिस आयुक्त से मुलाकात कर आरोप लगाया कि आरोपी बहनें युवतियों के जरिए मादक पदार्थों की सप्लाई भी कराती थीं। पीड़ितों के अनुसार, इस कथित नेटवर्क में चंदन सहित अन्य लोग भी शामिल हैं। उनका दावा है कि ड्रग्स की डिलीवरी के लिए युवतियों का इस्तेमाल किया जाता था। हालांकि, इन आरोपों की पुलिस द्वारा जांच की जा रही है और आधिकारिक पुष्टि फिलहाल लंबित है।

जांच का दायरा बढ़ा, रिमांड पर पूछताछ जारी: भोपाल पुलिस मुख्य आरोपी अमरीन और उसके सहयोगी चंदन को 1 मार्च तक रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है, जबकि दूसरी बहन आफरीन को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में अमरीन को कथित गिरोह का मुख्य संचालक माना जा रहा है। बागसेवनिया थाना पुलिस की एक टीम आरोपियों को लेकर अहमदाबाद पहुंची है। यहां छत्तीसगढ़ की एक युवती के साथ कथित दुष्कर्म के मामले की जांच की जा रही है। पुलिस फरार आरोपी यासिर की तलाश में दबिश दे रही है।

अन्य आरोपियों की तलाश: पुलिस की एक अन्य टीम अमरीन के भाई बिलाल और मुंहबोले भाई चानू की तलाश में जुटी है। साथ ही, संजना उर्फ जन्नत नामक युवती की भी तलाश की जा रही है, जिस पर पीड़िता को शाहपुरा स्थित होटल में आरोपी आफरीन से मिलवाने का आरोप है।

1432 करोड़ में होंगे भोपाल की शराब दुकानों के टेंडर

29 दुकानों के लिए प्रोसेस की गई, किसी ने नहीं भरा; अब नए सिरे से फिर होंगे

भोपाल ■ निसं

भोपाल की कुल 87 कम्पोजिट शराब दुकानों की नीलामी की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस बार ठेकों को 4 की बजाय 20 ग्रुप में बांटा गया है। ताकि, छोटे और नए लाइसेंस कारोबारी भी ठेके ले सके। 29 ठेकों के लिए पहली नीलामी 2 मार्च को की गई, लेकिन एक भी टेंडर नहीं आए। इसके पीछे जिम्मेदार बड़े ग्रुप की मोनोपाली बता रहे हैं। विभाग के मुताबिक, अब नए सिरे से टेंडर की प्रक्रिया की जाएगी। बाकी ग्रुप के लिए भी टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बता दें कि 29 दुकानों को 7 ग्रुप में बांटा गया है। जिसकी रिजर्व प्राइस करीब 520 करोड़ रुपए रखी गई है। वहीं, सभी 87 शराब ठेकों की रिजर्व प्राइस 1432 करोड़ रुपए है। सोमवार को पहले फेज में टेंडर की प्रोसेस शुरू की गई थी, लेकिन एक भी टेंडर नहीं आया। इसके चलते अब इन दुकानों की वापस टेंडर की प्रक्रिया की जाएगी।

ग्रुप वाइज में इतनी दुकानें: पहले फेज के 7 ग्रुप के लिए प्रक्रिया की गई। इनमें बागसेवनिया ग्रुप की 5 दुकान, हबीबगंज फाटक ग्रुप की 4 दुकान, भानपुर चौराहा ग्रुप की 5 दुकान, स्टेशन बजरिया ग्रुप की 5 दुकान, खजूरीकलां ग्रुप की 3 दुकान, जहांगीराबाद ग्रुप की 4 दुकान और गुनगा ग्रुप की 3 दुकानें शामिल हैं। मंगलवार को अन्य ग्रुप की टेंडर प्रक्रिया की शुरुआत कर दी गई।

नई आबकारी नीति लागू: प्रदेश में राज्य सरकार ने नई आबकारी नीति लागू कर दी है। नई व्यवस्था में शराब दुकानों को छोटे-छोटे समूहों में बांटा है। भोपाल की 87 दुकानों को 20 ग्रुप में बांटा है। जिनके आवंटन की प्रक्रिया ई-टेंडर के जरिए की जा रही है।

ठेकों के टेंडर नहीं होने की ये वजह: वर्ष 2025-26 में जिले की सभी दुकानें 4 ग्रुप में शामिल की गई थी। इस बार सभी 87 कम्पोजिट मदिरा दुकानों को 20 ग्रुप में शामिल किया गया है। इस व्यवस्था से बड़े शराब ठेकेदारों का एकाधिपत्य समाप्त हुआ है। वहीं, नए और छोटे लाइसेंसियों को शराब व्यवसाय में भागीदारी का भी अवसर मिलेगा।

एकाधिपत्य को खत्म करने से कई ठेकेदारों में घबराहट जैसा माहौल है। वे अपने एकाधिपत्य को कायम रखने के लिए इस वर्ष के शराब व्यवसाय में घाटा होने का प्रचार भी करते हुए नजर आ रहे हैं। जिससे छोटे व नवीन लाइसेंसी हतोत्साहित होकर वर्ष 2026-27 के मदिरा दुकानों के टेंडर में शामिल होने से अपने हाथ पीछे खीच लें। टेंडर न आने के कारण शासन पुन: बड़े समूह बनाने पर विवश हो जाए और इन बड़े समूहों के जरिए वर्तमान बड़े लाइसेंसियों का इस व्यवसाय में एकाधिपत्य कायम रहें। दूसरी ओर, आंकड़े बताते हैं कि वर्तमान वर्ष 2025-26 में माह फरवरी के अंत तक प्रत्येक गुप से 50 करोड़ रुपए से भी अधिक का मुनाफा हुआ है।

इस वजह से भी घाटे की बाज कही जा रही है। ताकि, छोटे ठेकेदार सामने न आए और विभाग फिर से बड़े ग्रुप को ठेके दे दें। इसी तरह बाग सेवनिया समूह की कीमत करीब 101 करोड़ से बढ़कर 121 करोड़ 89 लाख से ज्यादा हो गई है। आबकारी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नीति में किए गए बदलावों के आधार पर ही ई-टेंडर के जरिए दुकानों का आवंटन होगा। छोटे समूह बनाए जाने से ज्यादा बोलीदाता सामने आएंगे व सरकार को फायदा मिलेगा। इससे नए लोगों को भी भागीदारी का मौका मिलेगा।

हजारों करोड़ हुआ बजट फिर भी प्रदेश के स्कूलों की दुर्दशा, 6000 भवन जर्जर, 3500 में शौचालय नहीं

भोपाल ■ अमृत दर्शन

प्रदेश में शिक्षा का बजट लगातार बढ़ रहा है, लेकिन कई सरकारी स्कूल अब भी बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहे हैं। विधानसभा में सामने आए आंकड़ों ने स्कूलों की जमीनी हकीकत को उजागर कर दिया है।

प्रदेश में स्कूली शिक्षा का बजट लगातार बढ़ रहा है, लेकिन जमीनी हालात अब भी चिंता पैदा करने वाले हैं। विधानसभा में सरकार ने जो आंकड़े पेश किए हैं, उनसे साफ है कि हजारों सरकारी स्कूल बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। सरकार की तरफ से विधानसभा में दी जानकारी के अनुसार वर्ष 2010-11 से 2024-25 के बीच शिक्षा बजट में बड़ी बढ़ोतरी हुई है।

राज्य शिक्षा केंद्र का खर्च 364 करोड़ रुपये से बढ़कर 6485 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, स्कूल शिक्षा विभाग का बजट 6203 करोड़ से बढ़कर 32,059 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सरकार के अनुसार बजट बढ़ने की वजह शिक्षकों के वेतन-भत्तों में वृद्धि, छठा और सातवां वेतनमान, महंगाई भत्ता, सांदीपनि विद्यालय योजना, ई-स्कूटी वितरण, विद्यार्थियों को मुफ्त गणवेश, आरटीई प्रतिपूर्ति और स्कूल मरम्मत जैसे खर्च हैं।

भवनों में कक्षाएं लगाना मुश्किल: बढ़े हुए बजट के बावजूद प्रदेश के पहली से आठवीं तक के करीब 6000 हजार स्कूल जर्जर हालत में हैं। कई भवन इतने खराब हैं कि वहां कक्षाएं चलाना मुश्किल हो रहा है। यू-डाइस (ष्टद्धस्ध) के आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में 7,122 शासकीय हाई स्कूल और हायर सेकंडरी स्कूल संचालित हैं।

अनमोल वचन

दंड द्वारा प्रजा की रक्षा करनी चाहिए लेकिन बिना कारण किसी को दंड नहीं देना चाहिए।
रामायण

शाश्वत शांति की प्राप्ति के लिए शांति की इच्छा नहीं बल्कि आवश्यक है इच्छाओं की शांति।
स्वामी ज्ञानानंद

सम्पादकीय

अमेरिका और इजराइल पर भारी पड़ा ईरान?

ईरान पर इजराइल और अमेरिका द्वारा किए गए संयुक्त हमले के तीसरे दिन स्थिति बड़ी विकराल हो गई है। ईरान के सुप्रीमो लीडर खामेनेई की हत्या के बाद ईरान ने जिस तरह का पलटवार किया है, उससे दुनियां हैरान है। एक ही झटके में 13 देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानो पर ईरान ने हमला कर दिया। अमेरिका के सैन्य ठिकाने धू-धू करके जलने लगे। इन हमलों से मध्य पूर्व के इस्लामी देशों में बढ़ता तनाव एक बार फिर वैश्विक राजनीति के केंद्र में आ गया है। ईरान ने अमेरिका और इजराइल के हमले का जवाब जिस तरह से दिया है, उसे देखते हुए अमेरिका और इजराइल भी हतप्रभ होकर रह गए हैं। पहली बार अमेरिका को पश्चिम एशिया के देशों में तनाव बढ़ने से अपने वर्चस्व को बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। ईरान की ओर से दावा किया गया है, उसने जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। बहरीन स्थित जुफैर बेस और क़तर के अल उदैद एयरबेस जैसे ठिकानों पर किए गए हमले के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए जिनमें भारी नुकसान की तस्वीरें सामने आई हैं। इसके बाद सारी दुनिया में एक नई हलचल देखने को मिली। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने संकेत दिया है। क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने उसकी मिसाइलों के निशाने पर हैं। दूसरी ओर, क़तर ने दावा किया, पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने संभावित हमलों को विफल कर बड़े नुकसान को रोका है। ऐसे परस्पर विरोधी दावों के बीच वास्तविक स्थिति का सही अंदाजा लगा पाना कठिन है। यह भी चर्चा है कि खाड़ी क्षेत्र के लगभग 13 देशों में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी है। तनाव बढ़ने पर वह भी अप्रत्यक्ष रूप से इस संघर्ष की चपेट में आ सकते हैं। ईरान ने जो फोटो और वीडियो जारी किए हैं उसके अनुसार 13 देशों के ठिकाने धू-धू करके जल रहे हैं। अभी तक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा ईरान के दावों को सत्यापित नहीं किया गया है। युद्धकालीन माहौल में सूचनाओं का प्रवाह तेज होता है, परंतु सत्यापन की जानकारी जुटाना बहुत मुश्किल होता है। रणनीतिक दृष्टि से देखें, तो ईरान का मुकाबला दो परमाणु-सक्षम अमेरिका और इजराइल से है। इसके बावजूद तेहरान की त्वरित जवाबी क्षमता ने यह साबित कर दिया है। युद्ध के मैदान में सैन्य संतुलन एकतरफा नहीं है। चार दिन में ईरान इस युद्ध में अमेरिका और इजराइल को बराबरी से जवाब देने में सक्षम है। सवाल यह है, क्या यह टकराव सीमित रहेगा या व्यापक वैश्विक युद्ध के रूप में परिवर्तित हो जाएगा? इस युद्ध की शुरुआत से ही कच्चे तेल की आपूर्ति, समुद्री मार्गों को ईरान द्वारा बाधित किए जाने से वैश्विक बाजारों पर इसका प्रभाव पहले ही चार दिनों में बड़े पैमाने पर दिखने लगा है। विशेषज्ञों का मानना है, सैन्य शक्ति के प्रदर्शन से अधिक महत्वपूर्ण कूटनीतिक उपाय अपनाने की पहल तुरंत की जानी चाहिए। यदि संवाद के रास्ते नहीं खुले, तो दावों और प्रतिदावों के बीच पूरी दुनिया को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। दुनिया भर के शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। भारत का शेयर बाजार एक तरह से क्रेस हो गया है। खाड़ी देशों में भारत का निर्यात-आयात पिछले चार दिनों से एक तरह से बंद हो गया है। लगभग 90 लाख भारतीय खाडी के देशों में काम करते हैं। इसके अलावा दुबई में भी भारतीयों का भारी निवेश है। ईरान जिस तरह से यूएई को निशाना बना रहा है उसके कारण भारत की आर्थिक सामरिक एवं राजनीतिक स्थिति पर चुनौतियां स्पष्ट रूप से दिखने लगी हैं। अमेरिका ईरान युद्ध शुरू होने के बाद जिस तरह से भारत के शेयर बाजार में निवेशकों को लगभग 8 लाख करोड रुपए का नुकसान 1 दिन में उठाना पड़ा है, वैश्विक व्यवस्था में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में जो रोक लगी है, सारी दुनिया का आयात और निर्यात व्यापार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है, इसको लेकर आर्थिक विशेषज्ञों द्वारा यह आशंका जताई जा रही है कि यह युद्ध जल्द बंद नहीं हुआ तो सारी दुनिया के देश आर्थिक मंदी के शिकार हो जाएंगे। इसके साथ-साथ तृतीय विश्व युद्ध जैसी स्थितियां बनते देर नहीं लगेंगी। सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है भारत स्वयं एक पार्टी बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजाराइल दौरे के तुरंत बाद ईरान पर हमला किया गया है। भारत की विदेश नीति में अब भारत का झुकाव अमेरिका और इजराइल की तरफ है। ऐसी स्थिति में भारत के ईरान और खाड़ी देशों के साथ बेहतर संबंध होते हुए भी भारत की मध्यस्थ के रूप में कोई भूमिका सामने नहीं आ रही है। उल्टे इस युद्ध में भारत को युद्ध में शामिल नहीं होते हुए भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। खाड़ी के देशों में लगभग 90 लाख से ज्यादा भारतीय नागरिक कार्यरत है उनसे विदेशी मुद्रा भी भारत को मिलती थी अब उनकी जान जोखिम में है। कच्चे तेल और गैस के दामों में जिस तरह की तेजी देखने को मिल रही है, शेयर बाजारों में जिस तरह से गिरावट का दौर देखने को मिल रहा है उससे स्पष्ट हो गया है, इस युद्ध का असर भारत पर सबसे ज्यादा पड़ने वाला है।

चिंतन-मनन

सफलता चाहिए तो पहले ये सीखें

किसी भी काम में लगन का अपना महत्व होता है, सफलता आपकी एकाग्रता पर ही निर्भर करती है। आप संसार को पाने की दौड़ में हो या परमात्मा को, जब तक हम ध्यान लगाकर काम नहीं करेंगे कभी ठीक परिणाम नहीं मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि आप पहले अपने मन को एकाग्र करें, फिर सफलता खुद आपको मिल जाएगी। एक बार की बात है। राजा एक बार युद्ध पर गया। शाम के समय युद्ध के बाद राजा अपने युद्ध के बाद शिविर से थोड़ी दूर जाकर एक वीरान स्थान पर ध्यान लगाकर बैठ गया ताकि उसे थोड़ी शांति मिल सके। अभी राजा नदी के किनारे पर बस ध्यान की मुद्रा में बैठा ही था। वहां से एक युवती दौड़ती हुई निकली, जिसका ध्यान उस ओर तक ना गया कि राजा बैठा है। ना जाने कहां जाने की जल्दी थी। वह राजा से टकराती हुई निकल गई। राजा का ध्यान भंग हो गया उसे बहुत गुस्सा आया। उसने तुरंत शिविर मैं लौटकर आदेश दिया। उस औरत को ढूंढ कर लाया जाए जिसने ये गुस्ताखी की है। उस युवती को इतना भी नहीं दिखा कि देश का राजा ध्यान में बैठा है और वह उसे कुचलती हुई चली जा रही है। सिपाही गए और थोड़ी ही देर में उस युवती को पकड़कर ले आए। राजा ने उस युवती से कहा- बदतमीज लड़की इतना भी नहीं जानती कि ध्यान में बैठे हुए व्यक्ति को इस तरह धक्का लगाकर उसका ध्यान भंग करना कितना बड़ा पाप है। उस युवती ने राजा को पहले ऊपर से नीचे तक देखा और कहा - आपको धक्का लगा जरूर होगा लेकिन मुझे याद नहीं। मैं अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मुझे कुछ नहीं पता कि आप कहां ध्यान लगा रहे थे लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि मैं तो अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मेरा ध्यान सिर्फ अपने प्रेमी से मिलने पर केंद्रित था। मुझे पता ही नहीं चला कि आप परमात्मा के ध्यान में बैठे हैं। आपको मेरा पता चल गया? राजा को उसकी बात समझ आ गई और उसने उसे छोड़ दिया। क्योंकि यह साबित हो गया थी कि राजा के मन में वह समर्पण का भाव नहीं था जो उस प्रेमिका में था। उसके प्रेम में वह तीव्रता और वलंतता थी जिसने राजा को सोचने पर मजबूर कर दिया।

सुरक्षित जीवन सुरक्षित राष्ट्र का सामूहिक संकल्प

कांतिलाल मांडोत

इसी दिन वर्ष 1966 में नेशनल सेफ्टी काउंसिल की स्थापना की गई थी। वर्ष 1972 से इस दिवस को संगठित रूप में मनाया जाने लगा और तब से यह 4 मार्च से 10 मार्च तक राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के रूप में निरंतर आयोजित किया जाता है। इसका उद्देश्य कार्यस्थलों सड़कों घरों और सार्वजनिक स्थानों पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना तथा सुरक्षा स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना है।

भारत में प्रत्येक वर्ष 4 मार्च को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। यह दिवस केवल एक तिथि नहीं बल्कि जागरूकता जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का प्रतीक है। इसी दिन वर्ष 1966 में नेशनल सेफ्टी काउंसिल की स्थापना की गई थी। वर्ष 1972 से इस दिवस को संगठित रूप में मनाया जाने लगा और तब से यह 4 मार्च से 10 मार्च तक राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के रूप में निरंतर आयोजित किया जाता है। इसका उद्देश्य कार्यस्थलों सड़कों घरों और सार्वजनिक स्थानों पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना तथा सुरक्षा स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना है।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का इतिहास उस दौर से जुड़ा है जब देश में औद्योगिक विकास तेजी से हो रहा था और इसके साथ दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ रही थी। श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की गई और एक ऐसी संस्था की आवश्यकता महसूस हुई जो सुरक्षा प्रशिक्षण जागरूकता और मार्गदर्शन का कार्य कर सके। इसी सोच के परिणामस्वरूप राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की स्थापना की गई। परिषद ने यह संकल्प लिया कि उद्योगों के साथ साथ समाज के प्रत्येक वर्ग तक सुरक्षा का संदेश पहुंचाया जाएगा। कुछ वर्षों बाद इस स्थापना दिवस को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया ताकि सुरक्षा का संदेश व्यापक स्तर पर फैल सके।

इस दिवस का मूल उद्देश्य लोगों में सुरक्षा के प्रति सजगता उत्पन्न करना है। कार्यस्थल पर छोटी सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। यदि श्रमिक उचित सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग न करें या प्रबंधन आवश्यक सावधानियां न बरते तो परिणाम दुखद हो सकते हैं। इसलिए यह दिवस नियोक्ताओं और कर्मचारियों दोनों को उनकी जिम्मेदारियों का स्मरण कराता है। सुरक्षा केवल नियमों का पालन भर नहीं बल्कि एक सकारात्मक कार्य संस्कृति का निर्माण है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति स्वयं को और दूसरों को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध हो।

राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के दौरान विभिन्न उद्योगों विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सुरक्षा शपथ दिलाई जाती है प्रशिक्षण सत्र आयोजित होते हैं और जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं बल्कि व्यवहार में परिवर्तन लाना है। जब व्यक्ति स्वयं यह समझने लगता है कि उसकी सावधानी किसी का जीवन बचा सकती है तब सुरक्षा संस्कृति मजबूत होती है।

प्रत्येक वर्ष इस दिवस के लिए एक विषय निर्धारित किया जाता है। वर्ष 2025 का विषय विकसित भारत के लिए सुरक्षा और कल्याण महत्वपूर्ण था। यह विषय स्पष्ट करता है कि राष्ट्र का विकास तभी संभव है जब उसके नागरिक सुरक्षित हों। आर्थिक प्रगति औद्योगिक विस्तार और सामाजिक उन्नति का कोई अर्थ नहीं यदि मानव जीवन असुरक्षित हो। इसलिए सुरक्षा को विकास की आधारशिला माना जाना चाहिए।

सड़क सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस की भावना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रतिदिन होने वाली दुर्घटनाएं हमें यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि क्या हम सच में सावधान हैं। वाहन चलाते समय नियमों का पालन करना सीट बेल्ट लगाना गति सीमा का ध्यान रखना और नशे की अवस्था में वाहन न चलाना जैसे सरल उपाय अनेक जीवन बचा सकते हैं। जब हम स्वयं नियमों का पालन करते हैं और दूसरों को भी प्रेरित करते हैं तभी सच्चे अर्थों में सुरक्षा के प्रति समर्पण दिखाई देता है।

स्वास्थ्य सुरक्षा के क्षेत्र में आपातकालीन सेवाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिकीजा हैल्थकेयर लिमिटेड ने विभिन्न राज्यों में एक सौ आठ एम्बुलेंस सेवाओं के माध्यम से लाखों लोगों को समय पर चिकित्सा सहायता प्रदान की है। राजस्थान सहित पंजाब मध्य प्रदेश ओडिशा झारखंड और सिक्किम में इन सेवाओं ने अनगिनत जीवन बचाए हैं। कठिन परिस्थितियों और महामारी के समय भी इन सेवाओं ने निरंतर कार्य कर समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सिद्ध की है। यह उदाहरण बताता है कि सुरक्षा केवल जागरूकता तक सीमित नहीं बल्कि सेवा और समर्पण से जुड़ी हुई है। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के प्रति हमारा समर्पण कैसा होना चाहिए ,यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। समर्पण का अर्थ केवल एक दिन कार्यक्रम में भाग लेना नहीं बल्कि वर्ष भर सावधानी और जिम्मेदारी निभाना है। हमें अपने घर से ही सुरक्षा की शुरुआत करनी चाहिए। रसोई गैस की नियमित जांच करना विद्युत उपकरणों का सही उपयोग करना बच्चों को आग और सड़क से संबंधित सावधानियां सिखाना और पर्यावरण की रक्षा करना हमारे दैनिक जीवन के छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों का पालन करना और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना हमारे समर्पण का प्रमाण है। सुरक्षा के प्रति समर्पण भाव का संबंध मानवीय संवेदनाओं से भी है। जब हम यह समझते हैं कि हमारी लापरवाही से किसी परिवार का भविष्य प्रभावित हो सकता है तब हम अधिक सजग हो जाते हैं।

सुरक्षा को आदत बनाना ही इस दिवस का वास्तविक संदेश है। यदि प्रत्येक नागरिक स्वयं को जिम्मेदार माने और सतर्क व्यवहार अपनाए तो दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है।

विद्यालयों में बच्चों को प्रारंभ से ही सुरक्षा के महत्व के बारे में शिक्षा दी जानी चाहिए। नई पीढ़ी यदि सुरक्षा संस्कृति को अपनाएगी तो भविष्य अधिक सुरक्षित होगा। उद्योगों में नियमित प्रशिक्षण और सुरक्षा अभ्यास कर्मचारियों को सक्षम बनाते हैं। समाज में जागरूकता अभियान लोगों को यह संदेश देते हैं कि सुरक्षा बोझ नहीं बल्कि जीवन रक्षा का माध्यम है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद एक गैर लाभकारी संस्था के रूप में आधी सदी से अधिक समय से कार्य कर रही है। इसका उद्देश्य सुरक्षा प्रशिक्षण को सभी के लिए सुलभ बनाना और समाज में सुरक्षा संस्कृति को मजबूत करना है। इस संस्था द्वारा प्रारंभ किया गया राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस आज एक व्यापक जन आंदोलन का रूप ले चुका है। यह हमें वर्ष में एक बार रुककर यह सोचने का अवसर देता है कि हमने सुरक्षा के क्षेत्र में क्या प्रगति की और आगे क्या करना शेष है।

अंततः राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि सुरक्षित जीवन ही सशक्त राष्ट्र की पहचान है। विकास और सुरक्षा साथ साथ चलें तभी राष्ट्र समृद्ध और स्थिर बन सकता है। हमें इस दिवस को औपचारिकता न मानकर जीवन का संकल्प बनाना चाहिए। जब प्रत्येक व्यक्ति सुरक्षा के प्रति समर्पित होगा तभी एक ऐसा भारत निर्मित होगा जहां प्रत्येक नागरिक निडर होकर जीवन जी सके। यही राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का वास्तविक उद्देश्य है और यही हमारे सच्चे समर्पण की अभिव्यक्ति भी है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

कहने में कम, करने में आगे: रणबीर सिंह गंगवा

डॉ. प्रियंका सौरभ

लोक निर्माण विभाग और सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के मंत्री के रूप में उनका फोकस साफ है—बेहतर सड़कें, स्वच्छ पेयजल और पारदर्शी व्यवस्था। वे मानते हैं कि मजबूत गांव ही मजबूत हरियाणा की नींव हैं। इसी सोच के साथ वे सड़कों के विस्तार, जलापूर्ति और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दे रहे हैं। सादगी, स्वच्छ छवि और जमीनी जुड़ाव उनकी सबसे बड़ी ताकत है। पिछड़े वर्गों, किसानों और गरीबों की आवाज़ बनकर रणबीर गंगवा ने साबित किया है कि राजनीति अगर ईमानदारी और सेवा भाव से की जाए, तो बदलाव ज़मीनी स्तर पर दिखता है।

जो गांव से चला, गांव के लिए जिया – जनता का नेता, ज़मीन से जुड़ा व्यक्तित्व, गांव, किसान और गरीब की सच्ची आवाज़ रणबीर सिंह गंगवा हरियाणा की राजनीति में एक ऐसे नेता हैं, जिनकी पहचान शोर से नहीं, काम से बनी है। गांव की मिट्टी से उठकर उन्होंने जनसेवा को अपना मूल मंत्र बनाया। जिला परिषद से लेकर कैबिनेट मंत्री तक का उनका सफर निरंतर संघर्ष, संगठनात्मक निष्ठा और जनविश्वास की कहानी है। लोक निर्माण विभाग और सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के मंत्री के रूप में उनका फोकस साफ है-बेहतर सड़कें, स्वच्छ पेयजल और पारदर्शी व्यवस्था। वे मानते हैं कि मजबूत गांव ही मजबूत हरियाणा की नींव हैं। इसी सोच के साथ वे सड़कों के विस्तार, जलापूर्ति और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दे रहे हैं। सादगी, स्वच्छ छवि और जमीनी जुड़ाव उनकी सबसे बड़ी ताकत है। पिछड़े वर्गों, किसानों और गरीबों की आवाज़ बनकर रणबीर गंगवा ने साबित किया है कि राजनीति अगर ईमानदारी और सेवा भाव से की जाए, तो बदलाव ज़मीनी स्तर पर दिखता है

रणबीर सिंह गंगवा हरियाणा की राजनीति में उन चुनिंदा नेताओं में गिने जाते हैं, जिन्होंने ग्रामीण पृष्ठभूमि से उठकर निरंतर संघर्ष, संगठनात्मक निष्ठा और जनसेवा के बल पर कैबिनेट मंत्री तक का सफर तय किया। वे आज हरियाणा सरकार में लोक निर्माण विभाग तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कैबिनेट मंत्री हैं और नायब सिंह सैनी मंत्रिमंडल में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनका जीवन पिछड़े वर्गों, किसानों और ग्रामीण समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

रणबीर सिंह गंगवा का जन्म 4 मार्च 1964 को हरियाणा के हिसार जिले के गंगवा गांव में कुम्हार (प्रजापति) परिवार में हुआ। उनके पिता राजाराम और माता केसर देवी साधारण ग्रामीण जीवन से जुड़े थे। सीमित संसाधनों के बीच पले-बढ़े गंगवा ने उच्च माध्यमिक शिक्षा प्राप्त की और प्रारंभ से ही सामाजिक कार्यों में रुचि दिखाई। ग्रामीण परिवेश में रहते हुए उन्होंने किसानों, मजदूरों और पिछड़े वर्गों की समस्याओं को नज़दीक से समझा, जिसने आगे चलकर उनकी राजनीति की दिशा तय की।

उनका पहला औपचारिक चुनाव जिला परिषद का था। वर्ष 2000 में उन्होंने हिसार जिला परिषद का चुनाव लड़ा, जहां उन्हें प्रारंभिक पराजय का सामना करना पड़ा। लेकिन इस हार ने उन्हें और मजबूत बनाया। 2005 में वे दोबारा चुनाव जीतकर जिला परिषद सदस्य बने और बाद में उपाध्यक्ष पद तक पहुंचे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण सड़कों, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। यही कालखंड उनके राजनीतिक जीवन की मजबूत नींव बना।

2009 में उन्होंने नलवा विधानसभा क्षेत्र से इंडियन नेशनल लोकदल के टिकट पर चुनाव लड़ा। इस चुनाव में उन्हें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संपत सिंह से हार का सामना करना पड़ा, किंतु उनका राजनीतिक प्रभाव बना रहा। 2010 में उन्हें इंडियन नेशनल लोकदल की ओर से राज्यसभा भेजा गया। राज्यसभा सदस्य के रूप में उन्होंने हरियाणा के ग्रामीण और पिछड़े वर्गों से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया और अपनी सक्रियता से पहचान बनाई।

2014 में वे नलवा विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए। इस चुनाव में उन्होंने संपत सिंह और पूर्व उपमुख्यमंत्री चंद्रमोहन जैसे दिग्गज नेताओं को पराजित किया। विधायक के रूप में उन्होंने क्षेत्र में विकास कार्यों को गति दी और जनता से निरंतर संवाद बनाए रखा।

2019 में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा और नलवा से पुन: जीत दर्ज की। विधानसभा में उन्हें उपाध्यक्ष (डिप्टी स्पीकर) की जिम्मेदारी सौंपी गई, जहां उन्होंने सदन की कार्यवाही को सुचारू और मर्यादित ढंग से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

2024 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें बरवाला विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया। यह राजनीतिक रूप से एक नई चुनौती थी, लेकिन रणबीर गंगवा ने इसे अवसर में बदल दिया। उन्होंने बरवाला से ऐतिहासिक जीत दर्ज कर पहली बार वहां भाजपा को विजय दिलाई। इसी जीत के बाद उन्हें नायब सैनी मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री के रूप में शामिल किया गया। लगभग 34 वर्षों के राजनीतिक संघर्ष का यह महत्वपूर्ण पड़ाव था।

कैबिनेट मंत्री बनने के बाद रणबीर गंगवा को लोक निर्माण विभाग और सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य विभाग को पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। हरियाणा में लगभग 30,664 किलोमीटर लंबी सड़कों का नेटवर्क पीडब्ल्यूडी के अंतर्गत आता है। वर्ष 2025-26 के लिए 6,500 किलोमीटर सड़कों की नई कार्पेटिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गुणवत्ता सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए सख्त निगरानी प्रणाली लागू की गई है। सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के तहत उनका फोकस ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति, पाइपलाइन विस्तार और जल संरक्षण योजनाओं पर है। हरियाणा स्वर्ण जयंती महाग्राम योजना के माध्यम से गांवों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। उनका मानना है कि मजबूत गांव ही मजबूत हरियाणा की नींव हैं। रणबीर गंगवा को पिछड़े वर्गों का सशक्त प्रतिनिधि माना जाता है। प्रजापति समाज में उनकी विशेष पकड़ है और वे ओबीसी समुदाय की आवाज़ उठाने के लिए जाने जाते हैं।

हर्षोल्लास, उमंग और रंगों का पर्व है होली

संजय गोस्वामी

फागुन आते ही चहुं ओर 'होली' के रंग दिखाई देने लगते हैं, जगह-जगह 'होली' मिलन समारोहों का आयोजन होने लगता है। 'होली' हर्षोल्लास, उमंग और रंगों का पर्व है, यह पर्व फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है, इससे एक दिन पूर्व 'होलिका' जलाई जाती है, जिसे 'होलिका' दहन भी कहा जाता है। दूसरे दिन रंग खेला जाता है, जिसे धुलेंडी, धुरखेल तथा धूलिवंदन कहा जाता है। लोग एक-दूसरे को रंग, अबीर-गुलाल लगाते हैं। रंग में भरे लोगों की टोलियां नाचती-गाती गांव-शहर में घूमती रहती हैं। ढोल बजाते और 'होली' के गीत गाते लोग मार्ग में आते-जाते लोगों को रंग लगाते हुए 'होली' को हर्षोल्लास से खेलते हैं, विदेशी लोग भी होली खेलते हैं, सांध्य काल में लोग एक-दूसरे के घर जाते हैं और मिष्ठान बांटते हैं। पुरातन धार्मिक पुस्तकों में 'होली' का वर्णन अनेक मिलता है। नारद पुराण और भविष्य पुराण जैसे पुराणों की प्राचीन हस्तलिपियों और ग्रंथों में भी इस पर्व का उल्लेख है। विंध्य क्षेत्र के रामगढ़ स्थान पर स्थित ईसा से तीन सौ वर्ष पुराने एक अभिलेख में भी 'होली' का उल्लेख किया गया है। 'होली' के पर्व को लेकर अनेक कथाएं प्रचलित हैं, सबसे प्रसिद्ध कथा विष्णु भक्त प्रह्लाद की है। माना जाता है कि प्राचीन काल में हिरण्यकश्यप नाम का एक अत्यंत बलशाली असुर था, वह स्वयं को भगवान मानने लगा था, उसने अपने राज्य में भगवान का नाम लेने पर प्रतिबंध लगा दिया था, जो कोई भगवान का नाम लेता, उसे दंडित किया जाता था। हिरण्यकश्यप का पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का भक्त था। प्रह्लाद की प्रभु भक्ति से क्रुद्ध होकर हिरण्यकश्यप ने उसे अनेक कठोर दंड दिए, परंतु उसने भक्ति के मार्ग का त्याग नहीं किया। हिरण्यकश्यप की बहन 'होलिका' को वरदान प्राप्त था कि वह अग्नि में भस्म नहीं हो सकती। हिरण्यकश्यप ने आदेश दिया कि होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि कुंड में बैठे। अग्नि कुंड में बैठने पर 'होलिका' तो जल गई, परंतु प्रह्लाद बच गया। भक्त प्रह्लाद की स्मृति में इस दिन 'होलिका' जलाई जाती है, इसके अतिरिक्त यह पर्व राक्षसी ढुंढी, राधा कृष्ण के रास और कामदेव के पुनर्जन्म से भी संबंधित है। कुछ लोगों का मानना है कि होली में रंग लगाकर, नाच-गाकर लोग शिव के गणों का वेश धारण करते हैं तथा शिव की बारात का दृश्य बनाते हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इस दिन पूतना नामक राक्षसी का वध किया था, इससे प्रसन्न होकर गोपियों और ग्वालों ने रंग खेला था। देश में होली का पर्व विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है। ब्रज की होली मुख्य आकर्षण का केंद्र है। बरसाने की लठमार होली भी प्रसिद्ध है, इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएं उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं। मथुरा का प्रसिद्ध 40 दिवसीय होली उत्सव वसंत पंचमी से ही प्रारंभ हो जाता है, श्री राधा रानी को गुलाल अर्पित कर होली उत्सव शुरू करने की अनुमति मांगी जाती है, इसी के साथ ही पूरे ब्रज पर फाग का रंग छाने लगता है। वृंदावन के शाहजी मंदिर में प्रसिद्ध वसंती कमरे में श्रीजी के दर्शन किए जाते हैं, यह कमरा वर्ष में केवल दो दिन के लिए खुलता है। मथुरा के अलावा बरसाना, नंदगांव, वृंदावन आदि सभी मंदिरों में भगवान और भक्त पीले रंग में रंग जाते हैं। ब्रह्मर्षि दुर्वासा की पूजा की जाती है। हिमाचल प्रदेश के कुलू में भी वसंत पंचमी से ही लोग 'होली' खेलना प्रारंभ कर देते हैं। कुलू के रघुनाथपुर मंदिर में सबसे पहले वसंत पंचमी के दिन भगवान रघुनाथ पर गुलाल चढ़ाया जाता है, फिर भक्तों की 'होली' शुरू हो जाती है। लोगों का मानना है कि रामायण काल में हनुमान ने इसी स्थान पर भरत से भेंट की थी। कुमाऊं में शास्त्रीय संगीत की गोष्ठियां आयोजित की जाती हैं। बिहार का फगुआ प्रसिद्ध है। हरियाणा की 'धुलंडी' में भाभी पल्लू में ईंटें बांधकर देवरों को मारती हैं। पश्चिम बंगाल में 'दोल जात्रा' निकाली जाती है, यह पर्व चैतन्य महाप्रभु के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। शोभायात्रा निकाली जाती है। महाराष्ट्र की 'रंग पंचमी' में सूखा गुलाल खेला जाता है।

खास बात

राजनीतिक दबाव में अदालतें,सरकार के सिर ठीकरा

सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने स्वीकार किया है। कथित गौरक्षकों, अवैध गतिविधियों, भीड़ की हिंसा,हेट स्पीच रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने जो दिशा निर्देश जारी किए थे। उसकी निगरानी करना न्यायालय के लिए संभव नहीं रह गया है। सुप्रीम कोर्ट,अब ठीकरा राज्य और केंद्र सरकारों पर फोड़ना चाहती है। हाल ही में एक याचिका दायर हुई। उस पर सुप्रीम कोर्ट ने कह दिया सूक्ष्म निगरानी करना अदालतों के लिए संभव नहीं है। जब अदालतें पल्ला झाड़ने लगेंगी, तो जनता को न्याय पाने के लिए खुद सड़कों उतरना पड़ेगा? अब यह चर्चा होने लगी है।

एआई में भारत पिछलग्गु

सारी दुनिया में एआई को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। बड़े-बड़े आविष्कार सामने आ चुके हैं। इसमें भारत की कोई उपलब्धि नहीं है। रही सही कैसर चीनी कुत्ते ने पूरी कर दी। भारत ढोल बजाते हुए एआई तकनीकी के बने उपकरण, रक्षा सामग्री मशीन तथा जरूरत की वह हर चीज खरीदने तैयार खड़ा है। आईटी सेक्टर में भारत ने सारी दुनिया में परचम लहराया था। एआई के सामने वह पूरी तरह से झुक गया है। आईटी सेक्टर की कंपनियां लगातार घाटे में जा रही हैं।अब भारत के पैशेवर,एआई तकनीकी के गुलाम बनकर रह जाएगें।मनमानी कीमत एआई तकनीकी के लिए भारत को खर्च करना पड़ेगी। अभी तक जो कमाया था,वह अब खर्च करना पड़ेगा।

यूथ कांग्रेस के पदाधिकारी या आतंकवादी?

यूथ कांग्रेस के कुछ पदाधिकारियों ने एआई समिट में शर्टलेस शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया था। इस प्रदर्शन के बाद दिल्ली पुलिस उन्हें पकड़कर ले गई थी। दिल्ली पुलिस इस तरह से छानबीन कर रही है, जैसे वह आतंकवादी हों। न्यायालय ने 5 दिन की रिमांड पर कांग्रेस पदाधिकारियों को पुलिस को सौंप दिया है। दिल्ली पुलिस कई राज्यों में जाकर उनके परिवारों से पूछताछ कर रही है। इसके जरिए राहुल गांधी पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है।जिस तरह से ईडी मनी लांड्रिंग के तार जोड़ती है। ठीक वैसे ही अपराध के तार दिल्ली पुलिस जोड़ रही है। सरकार को गिराने की कोशिश करेंगे तो यही सब कुछ होगा।

केरल का नाम अब केरलम

सरकार जो करना चाहती है। वह कर लेती है। सरकारी कामकाज में नियम कायदे कानून नैतिकता अनैतिकता का कोई प्रश्न नहीं उठता है। हाल ही में केंद्र सरकार ने केरल का नाम बदलकर केरलम कर दिया है। इसका प्रस्ताव केरल सरकार से नहीं आया था। नाही इस बात की कोई चर्चा थी। कुछ महीनो में केरल विधानसभा के चुनाव होने हैं। केंद्र सरकार ने नाम बदलकर साबित कर दिया है। मोदी सरकार जो चाहे वह कर सकती है। इसी को कहते हैं, समरथ को नहीं दोष गुसाई। नियम- कानून,नैतिकता- अनैतिकता कमजोर लोगों के लिए होते हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, चैत्र कृष्ण पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोद्रय पश्चिमे तिथि, प्रतिपदा, बुधवार, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्रे, घृत योगे, कौलव करणे, सुबह सिंह की चंद्रमा दोपहर बाद कन्या की चंद्रमा, होली धुरेडी, स्वर्ण स्पर्श, बसंत उत्सव, आम्रकुशम,रवि 54/06 तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, कर्मशील, शासक-प्रशासक, धनी-मानी, पुरुषार्थी, स्वत: कर्मशील होगा।

मेष राशि- प्रत्येक कार्य में बाधा, विलम्ब कष्टप्रद होगा, थकावट व बेचैनी बनेगी।

वृष राशि- कुटुम्ब की समस्याओं में समय बीतेगा, धन का व्यय, चिन्ता बढ़ जायेगी।

मिथुन राशि- स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास, प्रेम-प्रसंग सफलता से कार्य अनुकूल अवश्य होंगे।

कर्क राशि- आर्थिक योजना पूर्ण होगी, भाग्य का सितारा प्रबल होगा, रुके कार्य बनेंगे।

सिंह राशि- भाग्य की प्रबलता का लाभ लें, रुके कार्य समय पर पूर्ण करने का प्रयास करें।

कन्या राशि- मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि, नवीन योजना फलप्रद होगी, कार्य पर ध्यान दें।

तुला राशि- मनोबल उत्साहवर्धक होगा, कार्यगति में सुधार होगा, विरोधी पराजित होंगे।

वृश्चिक राशि- लेन-देन के कार्य में हानि होगी, विरोधी तत्वों से परेशानी अवश्य बनेगी।

धनु राशि- दैनिक सफलता के साधन सम्पन्न होंगे, स्वभाव में क्रोध व अशांति होगी।

मकर राशि- दैनिक सम्पन्नता के साधन जुटायेंगे, आलस्य, प्रमाद से हानि होगी।

कुंभ राशि- बिगड़े हुये कार्य बनेंगे, योजनायें फलीभूत होंगी, रुके कार्य बनेंगे।

मीन राशि- स्त्री वर्ग से चिन्तायें कम होंगी, विशेष कार्य स्थगित रखें, समय का ध्यान रखें।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

4 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.55 बजे से
चंद्र	सिंह में	मेष	08.26 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	10.06 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.04 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	14.18 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.34 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.46 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	23.11 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	01.27 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मकर	03.32 बजे से
		कुंभ	05.19 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 63 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 16.49 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 07.39 बजे को समाप्त। **योग** धृति 08.53 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 16.49 बजे तदनन्तर तैतिल 04.53 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 06° 31' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872638 **जूलियन दिन** 2461103.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रमजान **तारीख** 14 **विशेष** होली, स्नानदान पूर्णिमा, चंद्रग्रहण।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सेहत के लिए वरदान है नारियल का तेल

सभी जानते हैं कि नारियल का तेल कई गुणों से भरपूर होता है। त्वचा संबंधी कई रोगों के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। आइए जानते हैं नारियल का तेल सेहत को किस तरह से फायदा पहुंचाता है। नारियल तेल के इस्तेमाल से कई फायदे होते हैं। कई गुणों से भरपूर यह तेल स्वास्थ्यपरक फायदों के लिए पीढ़ियों से इस्तेमाल में लाया जा रहा है। सेहत के साथ-साथ नारियल का तेल त्वचा संबंधी समस्याओं के लिए भी सदियों से इस्तेमाल किया जा रहा है।

नारियल तेल के फायदे

नारियल तेल त्वचा के लिए नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है, यह मृत त्वचा को हटाकर रंग निखारता है। इसका इस्तेमाल त्वचा रोग, डर्मेटाइटिस, एक्जिमा और स्किन बर्न में किया जा सकता है। नारियल तेल स्ट्रेच मार्क्स हटाने में भी मदद करता है और होंठ को फटने से बचाने के लिए भी इसे नियमित रूप से होंठों पर लगाया जा सकता है।

नारियल तेल बालों को घना, लंबा और चमकदार बनाने में काफी मददगार साबति होता है। सिर की मसाज सिर्फ पांच मिनट नारियल तेल से करने से न सिर्फ रक्त संचार में वृद्धि होती है, बल्कि यह खो चुके पोषक तत्वों की भी भरपाई करता है, नियमित रूप से नारियल तेल से मसाज करने से बालों में रूसी नहीं होती है।

नारियल तेल के इस्तेमाल से वजन भी कम किया जा सकता है। ताजे नारियल से निकाले गए तेल में अन्य नारियल तेलों की अपेक्षा ज्यादा मीडियम चेन फैटी एसिड होता है। मीडियम चेन फैटी एसिड्स आसानी से ऑक्सीडाइज्ड लिपिड्स होते हैं और एडीपोज ऊतक में संग्रहित नहीं होते हैं। इस प्रकार, मुख्य रूप से मीडियम चेन फैटी एसिड युक्त नारियल का तेल वजन घटाने में मददगार साबित होता है।नारियल तेल लॉरिक एसिड और कैप्रिक एसिड की तरह एंटीमाइक्रोबियल लिपिड का एक समृद्ध स्रोत होता है, जो एंटीफंगल और जीवाणुरोधी होते हैं।

कितना भी कोई पोते रंग, चढ़ेगा नहीं.. होली खेलने के तरीके सबसे धांसू

होली पर केमिकल वाले रंगों का इस्तेमाल धड़ल्ले से होता है. ये रंग हमारी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं. अगर पहले से थोड़ी सावधानी बरती जाए तो इन रंगों से चेहरे को सुरक्षित रखा जा सकता है. लोकल 18 से बात करते हुए जौनपुर की आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ.

कुसुम पांडेय बताती हैं कि होली खेलने से पहले चेहरे पर उबटन लगाना सही तरीका है. ये त्वचा पर एक प्राकृतिक परत बना देता है, जिससे रंग सीधे स्किन में नहीं जा पाते. त्वचा साफ, मुलायम और सुरक्षित रहती है. डॉ. कुसुम पांडेय कहती हैं कि होली खेलने से पहले चेहरे और गर्दन पर नारियल या सरसों तेल भी लगा सकते हैं.

जौनपुर. होली रंगों का त्योहार है, लेकिन इन रंगों में मौजूद केमिकल त्वचा को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं. ऐसे में अगर पहले से थोड़ी सावधानी बरती जाए तो चेहरे को सुरक्षित रखा जा सकता है. होली खेलने से पहले और बाद में सही देखभाल बेहद जरूरी है. लोकल 18 ने इस बारे में जौनपुर की आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. कुसुम पांडेय से बात की. डॉ. पांडेय के अनुसार, होली खेलने से एक दिन पहले और उसी दिन सुबह चेहरे पर उबटन लगाना सबसे फायदेमंद रहता है. उबटन त्वचा पर एक प्राकृतिक परत बना देता है, जिससे रंग सीधे त्वचा के अंदर नहीं जा पाते. उबटन बनाने के लिए बेसन, हल्दी, चंदन पाउडर और गुलाबजल मिलाकर पेस्ट तैयार करें. इसे 15-20 मिनट तक चेहरे पर लगाकर रखें और फिर हल्के गुनगुने पानी से धो लें. इससे त्वचा साफ, मुलायम और सुरक्षित रहती है.

होली में इस प्रकार नजर आयेंगी आप सबसे अलग

रंगो के त्योहार होली में अगर आप भी सबसे अलग और स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो इस प्रकार के परिधान पहनें

सफेद कपड़े पहनें

वैसे तो होली रंगों का त्योहार है, लेकिन इस मौके पर सफेद रंग के कपड़े आप पर एकदम परफेक्ट लगेंगे। सफेद अनारकली सूट या कुर्ता-चूड़ीदार को रंगीन दुपट्टे के साथ स्टाइल करें। वहीं ध्यान में रखें कि होली पर लिनेन या कॉटन के कपड़े पहनें। जिससे कि होली के रंग आसानी से निकल जाएं।

इंडो-वेस्टर्न ड्रेस

प्लाजो और क्रॉप टाप या फिर लॉन्ग स्कर्ट के साथ आप कुर्ता स्टाइल कर सकती हैं। वहीं आप जींस के साथ लॉन्ग कुर्ता या शॉर्ट जैकेट पहनें। इससे आपका लुक काफी स्मार्ट लगेगा। इसमें आप कंफर्टेबल फील करेंगी और होली पार्टी में आपका लुक भी अलग लगेगा।

पीलें , गुलाबी, परिधान भी लगेंगे अच्छे

आप चाहें तो सफेद आउटफिट की बजाय गुलाबी, हरा, पीला या फिर नारंगी जैसे ब्राइट कलर पहन सकती हैं। वहीं रंग-बिरंगे स्कार्फ या दुपट्टे से अपने लुक को अट्रैक्टिव बना सकती हैं।

ब्लैकहेड्स मिनटों में होंगे दूर

खूबसूरती से हर किसी बेहद प्यार होता है। वहीं चेहरे व नाक पर नजर आने वाले ब्लैकहेड्स और व्हाइटहैड्स पूरी पर्सनैलिटी पर इफैक्ट डाल सकते हैं। इन्हें हटाने के लिए लड़कियां कई उपचार करती है, जिनसे दर्द के साथ खर्चा भी बेहद होता हैं। ऐसे में आप बिना किसी दर्द व खर्च घरेलू चीजों का इस्तेमाल करके ब्लैकहैड्स से छुटकारा पा सकती हैं।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा में गुलाबजल व पानी मिलाकर पेस्ट तैयार करें। फिर इस पेस्ट को ब्लैकहैड्स वाली जगह पर अप्लाई करें। थोड़ी देर ऐसे ही रहने दें जब पेस्ट सूख जाए तो इसे वैक्सिंग की तरह हल्के हाथों से खींचते हुए उतारें।

टूथब्रश

खराब टूथब्रश को फैंकने के बजाएं उसे ब्लैकहैड्स निकालने के लिए इस्तेमाल करें। पहले ब्रश पर थोड़ा सा टूथपेस्ट लगाएं और ब्लैकहेड्स वाली जगह पर इसे हल्के से रगड़ें। इससे रोजाना इस्तेमाल करने से आपको ब्लैकहैड्स खुद व खुद निकलते नजर आएगें।

शहद और चीनी

शहद और चीनी को मिलाकर पेस्ट बनाएं। अब इसे ब्लैकहेड्स से प्रभावित जगहों पर लगाएं और कम से कम 2 मिनट तक रगड़ें। रगड़ने के बाद इसें 5 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें और बाद में चेहरा धो लें।

एक्टिवेटेड चारकोल

रात को 2-3 एक्टिवेटेड चारकोल कैप्सूल लेकर अच्छी तरह पीस लें। फिर इसमें1/4 चम्मच जेलेटिन, 1 विटामिन ई कैप्सूल मिलाकर मास्त तैयार करें। अब इसे पेस्ट को ब्लैकहैड्स से प्रभावित जगह पर लगाएं और सूख जाने के बाद खींचकर निकालें।

ऊनी कपड़ों को इस प्रकार संभालें

गरमी का मौसम शुरु हो गया है। ऐसे में अब ऊनी कपड़ों की जरूरत हमें नहीं पड़ती है पर अगर आज इन्हें बेहतर तरीके से रखना चाहती हैं तो इसमे लिए आपको इनका खाय ध्यान रखना पड़ेगा। ऊनी कपड़ों को सही तरीके से स्टोर करें ताकि अगले साल भी कपड़े नए दिखें।

कपड़ों की सफाई

ऊनी कपड़ों को स्टोर करने से पहले इनको साफ कर लें. कभी भी गंदे या इस्तेमाल किए हुए कपड़ों को सीधे तौर पर पैक ना करें इससे कपड़ों की खराब होने की संभावना बनी रहती ह।. ऊनी कपड़े धोते वक्त पानी का ध्यान रखें और गर्म पानी से धोने से बचें। ऊनी कपड़ों को धोने के लिए खास तौर पर इस्तेमाल किया जाने वाला डिटर्जेंट ही उपयोग करें। कपड़ों को सूखने के लिए सीधे तेज धूप में ना डालें.। ऐसा करने से इन कपड़ों के फैब्रिक पर असर पड़ता है। धूप में सूखने के कारण कपड़े बेरंग हो सकते हैं.

कपड़ों को अच्छी तरह से धोने के बाद बारी आती हैं इन्हें पैक करने की. आप जिस भी जगह स्टोर करना चाहते हैं जैसे बॉक्स या अलमारी उसकी पहले से सफाई कर लें। ऊनी कपड़ों को रखते वक्त एक ही बॉक्स में ज्यादा कपड़े नहीं रखना चाहिए।

कपड़ों में गैप होना चाहिए। आप ऊनी कपड़ों को नया रखने के लिए इन्हें सूती के कपड़े से लपेटकर रखें। जहां पर आप ऊनी कपड़े रख रहे हैं वहां नीम की पत्तियों को भी रखें। यह नमी और कीड़ों से कपड़ों को बचाता है। नेफ्थलीन बॉल्स का इस्तेमाल करने से कपड़ों में अच्छी महक बरकरार रहती है.

होली खेलने के बाद बालों की इस प्रकार करें देखभाल

होली रंगों और उमंग का त्योहार है, इसमें रंग गुलाल जमकर उड़ता है जिससे बालों के रूखे और बेजान होने की संभावना बढ़ जाती है। इसी को देखते हुए महिलाओं को अपने बालों की विशेष देखभाल करनी होती है। होली के रंगों में मौजूद केमिकल्स और धूल-मिट्टी बालों को रूखा, बेजान और कमजोर बना सकते हैं। अगर सही तरीके से बालों का ध्यान न रखें तो खराब हो सकते हैं और टूटने लगते हैं। ऐसे में होली के बाद बालों को रेशमी और मजबूत बनाए रखने के लिए सही देखभाल जरूरी है। अगर आप चाहती हैं कि होली खेलने के बाद आपके बाल सिल्कि की तरह लहलहाएं और बालों की खोई हुई नमी वापस आ जाए तो इन तरीकों का प्रयोग करें।

होली के तुरंत बाद बालों को हल्क या सल्फेट-फ्री शैंपू से धोएं, जिससे स्कैल्प से रंग और केमिकल्स पूरी तरह निकल जाएं। गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें और बालों को रगड़ने की बजाय हल्के हाथों से साफ करें। बालों की नमी बनाए रखने के लिए शैंपू के बाद डीप कंडीशनिंग करें। नारियल तेल, एलोवेरा जेल या दही से बना होममेड हेयर मास्क लगाएं, जिससे बालों को गहराई से पोषण मिलेगा और वे फिर से मुलायम बनेंगे।

बालों को धोने के बाद गुनगुने तेल से मालिश करें। नारियल, जैतून या अरंडी का तेल बालों में लगाने से नमी लौटती है और स्कैल्प को भी पोषण मिलता है। रंगों और धूप से बाल पहले ही बदरंग हो चुके होते हैं, ऐसे में हेयर ड्रायर, स्ट्रेटनर या कर्लर का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। प्राकृतिक तरीके से बालों को सूखने दें और ज्यादा ब्रशिंग से बचें।मेथी, आंवला, शिकाकाई और रीठा का हेयर मास्क बनाकर बालों में लगाने से बाल मजबूत होते हैं और खोई हुई चमक लौटती है।

होली के बाद इन प्राकृतिक तरीकों से बालों की देखभाल कर सकते हैं।बालों की सेहत के लिए डाइट भी अहम भूमिका निभाती है। होली के बाद हेल्दी डाइट लें, जिसमें हरी सब्जियां, फल, दही और नट्स शामिल हों। पर्याप्त पानी पीने से बालों की नमी बनी रहती है। इन आसान उपायों को अपनाकर आप होली के बाद भी अपने बालों को रेशमी और कोमल बनाये रख सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

सूर्यकुमार बने टी20 में सबसे सफल भारतीय कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव अब इस प्रारुप में भारतीय टीम के नंबर एक कप्तान बन गये हैं। सूर्यकुमार ने सबसे सफल कप्तान के तौर पर रोहित शर्मा समेत विराट कोहली और महेन्द्र सिंह धोनी को भी पीछे छोड़ दिया है। सूर्यकुमार का अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जीत का औसत कप्तान के तौर पर सबसे अच्छा हो गया है। अगर देखा जाये तो 50 मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी करने वाले किसी भी कप्तान का जीत औसत इतना नहीं है, जितना की सूर्यकुमार यादव का है।

अभिषेक को मनोज तिवारी ने दी नसीहत

कोलकाता। पूर्व क्रिकेट मनोज तिवारी ने युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की खराब बल्लेबाजी पर नाराजगी जतायी है। अभिषेक विश्वकप कप में अब तक एक ही मैच में रन बना पाये हैं। वहीं अन्य चार मैचों में असफल रहे हैं। तीन बार तो वह खाता भी नहीं खोल पाये हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम सुपर-8 मुकाबले में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह एक बार फिर आते ही बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में अपना विकेट गंवा बैठे। इसी को देखते हुए तिवारी का कहना है कि अभिषेक अपने छोटे से करियर में स्टार तो बन गए हैं।

मगर अगर उन्हें सुपर स्टार बनना है तो टीम को अधिक से अधिक मैच जिताने होंगे। तिवारी ने कहा, 'वह इतने कम समय में ही स्टार बन गया है पर अगर उसे सुपरस्टार बनना है, तो उसे टीम के लिए और मैच जीतने होंगे।

अब सीओई में कोच के तौर पर तेज गेंदबाजों को निखारेंगे जहीर

मुम्बई। पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान अब कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। जहीर को बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में तेज गेंदबाजों को कोचिंग देने की जिम्मेदारी दी गयी है। जहीर को ऑस्ट्रेलिया के ट्रॉय कूली की जगह पर कोच बनाया गया है। कूल का चार साल का कार्यकाल समाप्त हो गय है। वह अब इंग्लैंड टीम के तेज गेंदबाजी विशेषज्ञ कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। जहीर कोचिंग भूमिका निभाने को लेकर काफी उत्साहित हैं। वह पहले आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट के कोच रहे हैं। ऐसे में उन्हें कोचिंग का अच्छा अनुभव है। माना जा रहा है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र को देखते हुए जहीर को गेंदबाजों के निखारने की जिम्मेदारी दी गयी है।

अब तक मुकाबला 2-2 से बराबर, 1983 और 2024 में अंग्रेजों को हराया, चैंपियन भी बने

आईसीसी टूर्नामेंट में पांचवीं बार भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल होगा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत और इंग्लैंड आईसीसी टूर्नामेंट में पांचवीं बार सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। अब तक खेले गए 4 मुकाबलों में दोनों टीमें 2-2 जीत के साथ बराबरी पर हैं। दिलचस्प बात यह है कि भारत ने इंग्लैंड को जब भी सेमीफाइनल में हराया, देश तब खिताब जीतने में भी कामयाब रहा। भारत-इंग्लैंड पहला सेमीफाइनल 1983 वनडे वर्ल्ड कप में हुआ था। तब भारत ने अंग्रेजों को हराया और फिर फाइनल में वेस्टइंडीज को मात देकर टीम चैंपियन बनी। दोनों टीमें सेमीफाइनल में आखिरी बार 2024 टी-20 वर्ल्ड कप में भिड़ीं। तब भी भारत ने इंग्लैंड को हराया और फिर फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर खिताब जीता। 1987 वनडे वर्ल्ड कप और 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में भी भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल हुआ था। इन दो मौकों पर इंग्लैंड ने जीत हासिल की।

आगे पढ़िए चारों भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल की ब्रीफ स्टोरी। उससे पहले देखिए द्धष्टष्ट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भारत का किस टीम के खिलाफ कैसा रिकॉर्ड है।

1. 1983: जब 'अंडरडॉग' भारत ने इंग्लैंड का घमंड तोड़ा: 1983 के सेमीफाइनल में भारत ने मेजबान इंग्लैंड को 6 विकेट से हराकर पहली बार फाइनल में जगह बनाई। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में मुकाबले से पहले इंग्लिश मीडिया और एक्सपर्ट्स ने भारत की हार लगभग तय मान ली थी।

टॉस हारने के बावजूद कप्तान कपिल देव ने धीमी पिच को भांप लिया। इंग्लैंड की पूरी टीम 60 ओवर में 213 रन पर सिमट गई। कपिल देव ने 3 विकेट लिए, जबकि मोहिंदर अमरनाथ ने 12 ओवर में सिर्फ 27 रन देकर 2 विकेट चटकाए।

214 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत खराब रही। 50 रन पर 2 विकेट गिर चुके थे। इसके बाद अमरनाथ (46 रन) और यशपाल शर्मा (61 रन) ने 92 रन की साझेदारी कर पारी को स्थिरता दी।

यशपाल का बॉब विलिस पर जड़ा गया लेग-साइड छक्का आज भी मशहूर है। जब भारत जीत के करीब था, तब संदीप पाटिल ने मुकाबले को यादगार बना दिया। उन्होंने बॉब विलिस के एक ओवर में 4 चौके जड़ते हुए इंग्लैंड की उम्मीदें तोड़ दीं। पाटिल ने 32 गेंदों में नाबाद 51 रन की तेज पारी खेली। इस जीत ने भारत को वह आत्मविश्वास दिया, जिसके दम पर टीम ने लॉर्ड्स में फाइनल खेला और आगे चलकर दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज को हराकर पहली बार वर्ल्ड कप भी अपने नाम किया।

2. 1987: गूच की 'स्वीप' मास्टरक्लास ने 83 का बदला लिया: 1987 में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड ने भारत को 35 रन से हराकर 1983 की हार का हिसाब बराबर कर दिया। घरेलू मैदान पर खिताब जीतने का भारतीय सपना यहीं टूट गया। इस मैच की सबसे बड़ी कहानी थे ग्राहम गूच। स्पिन के लिए मशहूर पिच पर उन्होंने भारतीय स्पिनर्स मनिंदर सिंह और रवि शास्त्री के खिलाफ स्वीप शॉट की बौछार कर दी। गूच ने अपनी पारी में 11 चौके लगाए और 136 गेंदों पर 115 रन बनाए। तीसरे विकेट के लिए उन्होंने माइक गेटिंग के साथ 117 रन की अहम साझेदारी की। इंग्लैंड ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 254 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। यह मुकाबला सुनील गावस्कर के वनडे करियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच साबित हुआ। वे सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए। 255 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 64 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन उनके आउट होते ही भारतीय पारी लड़खड़ा गई।

भारत ने आखिरी 5 विकेट महज 15 रन के भीतर गंवा दिए और 45.3 ओवर में 219 रन पर सिमट गया। दिलचस्प संयोग यह रहा कि 1983 में भारत ने इंग्लैंड को उसके घर में हराया था। 4 साल बाद इंग्लैंड ने भारत को भारत में हराकर बदला पूरा किया।

3. 2022: बटलर-हेल्स में 170 रन की मैच विनिंग पार्टनरशिप: ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड ओवल में इंग्लैंड ने भारत को 10 विकेट से हरा दिया।

आज सेमीफाइनल में होगा दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड का मुकाबला

कोलकाता, एजेंसी। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 के पहले सेमीफाइनल में बुंधवार को पिछले बार की उपविजेता दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। इस मुकाबले को जीतकर दोनो ही टीमें फाइनल में पहुंचने के इरादे से उतरेंगी।

दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सभी मैच जीतकर यहां तक का सफर तय किया है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं। जिससे उसी जीत की दावेदारी मजबूत है। वहीं दूसरी ओर कीवी टीम भी कम नहीं है। वह भी इस बार खिताबी मुकाबले में पहुंचने पूरी ताकत लगा देगी। न्यूजीलैंड की टीम ग्रुप स्तर पर अफ्रीकी टीम के हाथों मिली हार से उबरकर इस मैच में अपनी ओर से जीत का पूरा प्रयास करेगी। वहीं न्यूजीलैंड की टीम मुश्किल से सेमीफाइनल तक पहुंची है। इससे उसे अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में सुधार करना होगा।

अफ्रीकी टीम ने सुपर 8 स्टेज में शानदार प्रदर्शन के बाद यहां पहुंची हैं, इसमें उन्होंने पहले पिछले बार की विजेत भारत को 76 रन से हराया था। इसके बाद वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराने के बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ करीबी जीत के साथ सुपर 8 चरण का अंत किया।

दूसरी ओर न्यूजीलैंड का सुपर 8 अभियन सामानय रहा जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ उनका पहला मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था। टीम ने श्रीलंका के खिलाफ अपने अगले मैच में 61 रन से जीत दर्ज की। वहीं उसे इंग्लैंड के खिलाफ करीबी हार का सामना करना पड़ा पर अच्छे नेट रन रेट के साथ वह अंतिम चार में आ गयी। आंकड़ों पर नजर डालें तो दक्षिण अफ्रीका का पलड़ा भारी है। अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में अब तक दोनों टीमों का 19 बार मुकाबला हुआ है, जिनमें 12 बार दक्षिण अफ्रीका जीती है जबकि 7 बार ही कीवी टीम जीत हासिल कर पाई है।

5 होम मैच बेंगलुरु में, 2 मुकाबले रायपुर में होंगे

आरसीबी की चिन्नास्वामी स्टेडियम में वापसी होगी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु एक बार फिर अपने घरेलू मैदान पर लौटेगी। टीम आईपीएल 2026 में अपने सात होम मुकाबलों में से पांच मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगी, जबकि बाकी दो मुकाबले रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में आयोजित होंगे।

फ्रेंचाइजी ने मंगलवार को इसका ऐलान किया। पिछले सीजन पहली बार खिताब जीतने के बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित विक्ट्री सेलिब्रेशन के दौरान हुई भगदड़ में 11 प्रशंसकों की जान चली गई थी। इसी घटना के बाद इस मैदान पर मुकाबलों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी।

सोमवार को हुई बैठक में फैसला लिया गया: सोमवार को कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और फ्रेंचाइजी अधिकारियों के बीच लंबी बैठक के बाद यह फैसला हुआ। बीसीसीआई को भी इस बारे में

बता दिया गया है और आईपीएल शेड्यूल की घोषणा इसी हफ्ते की जा सकती है। संभावना है कि 28 मार्च को सीजन का पहला मैच भी चिन्नास्वामी में हो।

हादसे के बाद पहली बार बड़े मैच की मेजबानी: पिछले साल खिताब जीतने के जश्न के दौरान हुई दुखद घटना के बाद से चिन्नास्वामी स्टेडियम में कोई भी बड़ा घरेलू टूर्नामेंट नहीं खेला गया था। इस मैदान पर न तो रणजी ट्रॉफी के मैच हुए, न ही विजय हजारे ट्रॉफी या महाराजा ट्रॉफी (चस्ष्ट ञ्20) के मुकाबले आयोजित किए गए। सुरक्षा कारणों और जांच के चलते लंबे समय से इस वेन्यू पर सस्पेंस था, जो अब खत्म हो गया है।

डी'कुन्हा कमेटी ने असुरक्षित बताया था: विमेंस वर्ल्ड कप के समय जस्टिस डी'कुन्हा कमेटी ने भी इस ग्राउंड को बड़े आयोजनों के लिए असुरक्षित बताया था। इस साल आरसीबी की पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत के बाद स्टेडियम में विक्ट्री परेड हुई थी। लेकिन उसके बाहर भारी भीड़ के कारण भगदड़ मच गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

सुरक्षा के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर में किए गए बदलाव: फ्रेंचाइजी के मुताबिक ढ्ढक्क्र सीजन से पहले स्टेडियम के इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा उपायों को बेहतर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास किए गए हैं। इसी वजह से डिफेंडिंग चैंपियन को अपने अधिकांश घरेलू मैच बेंगलुरु में खेलने की अनुमति मिल पाई है। टीम ने बताया कि रायपुर में दो मैच खेलना उनकी

गेंदबाजी रैंकिंग में अलाना किंग नंबर एक पहुंची

आईसीसी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में मंधाना शीर्ष पर पहुंची

दुबई ■ एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी हैं। मंदाना को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट दूसरे नंबर पर खिसक गयी हैं। मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज़ में 58 और 31 रन रन बनाये थे जिससे उनके रेटिंग अंक 790 हो गये हैं। । इसके साथ वह वोल्वार्ड्ट के 782 अंकों से आगे निकल गयी हैं। बेथ मूनी 745 अंकों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं।

वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तान एलीसा हीली चौथे नंबर पर बनी हुई हैं। हीली ने अपने करियर के अंतिम एकदिवसीय में शतक लगाया था। हीली के 744 रेटिंग पॉइंट्स हैं जबकि बेथ मूनी के 749 और एसलीगेह गार्डनर के 724 अंक हैं। वहीं भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर चार स्थान ऊपर आकर शीर्ष दस में पहुंच गयी हैं। वह नौवें स्थान पर हैं। भारत की ही मिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर बनी हुई हैं।

वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में भी काफी बदलाव आया है। ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर अलाना किंग 775 रेटिंग अंक के साथ नंबर-1 बन गई हैं।

उन्होंने लगभग चार साल तक नंबर एक पर रहीं। सोफी ऐसलेस्टोन को पीछे छोड़ दिया। अलाना ने सीरीज़ में 16.71 की औसत से सात विकेट लिए, जिसमें तीसरे एकदिवसीय में चार विकेट शामिल हैं। इसके अलावा ऑलराउंडरों की रैंकिंग में एशलेगाह गार्डनर 516 अंकों के साथ नंबर-1 पर हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज (418) पर लगभग 100 अंकों की बढ़त बनायी है। भारत की दीप्ती शर्मा गेंदबाजी रैंकिंग में 10वें और ऑलराउंडर सूची में पांचवें स्थान पर मौजूद हैं।

व्यापार समाचार

जापान का निक्केई 3% गिरा, भारतीय बाजार बंद, कच्चा तेल दो दिन में 13% चढ़ा

इजराइल-ईरान जंग से दक्षिण कोरिया का बाजार 7% टूटा

मुंबई ■ एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के बीच आज यानी 3 मार्च को एशियाई शेयर बाजारों में मिला जुला कारोबार है। वहीं होली पर आज भारतीय शेयर बाजार बंद हैं।

दक्षिण कोरिया का कोस्पी 7.24% गिरकर 5,791 के स्तर पर बंद हुआ। जापान का निक्केई इंडेक्स 3.06% नीचे 56,279 के स्तर पर बंद हुआ। चीन का शंघाई कंपोजिट 1.43% गिरकर 4,122 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 1.12% नीचे 25,768 के स्तर पर हुआ। पाकिस्तान का चस्श्व 30 इंडेक्स 4.27% चढ़कर 48,302 पर बंद हुआ।

कच्चा तेल दो दिन में 13% चढ़ा ब्रेंट क्रूड की कीमत आज 3% से ज्यादा चढ़कर 80 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। कल इसमें 10% की तेजी आई थी। यानी, दो दिन में ये 13% से ज्यादा चढ़ चुका है। जानकारों का मानना है कि अगर यह तनाव और बढ़ा, तो तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल तक सकती हैं। इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल पर दिख सकता है। दिल्ली में पेट्रोल 95 लीटर से बढ़कर 100 तक पहुंच सकता है। वहीं डीजल 88 से बढ़कर 92 तक जा सकता है। अन्य शहरों में भी इसी तरह कीमतें बढ़ सकती है।

कल सेंसेक्स 1048 अंक गिरकर बंद हुआ: अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के चलते भारतीय शेयर बाजार में कल यानी 2 मार्च को गिरावट रही थी। सेंसेक्स 1048 अंक (1.29%) गिरावट के साथ 80,239 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी करीब 313 अंकों (1.24%) की गिरावट रही, ये 24,866 के स्तर पर आ गया।

विदेशी निवेशकों ने 2 मार्च को 3,295 करोड़ रुपए के शेयर बेचे: विदेशी निवेशकों ने 2 मार्च को 3,295 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 8,593 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। फरवरी में 11,002 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। इस दौरान 17,324 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

जनवरी 2026 में कुल 41,435 करोड़ के शेयर्स बेचे थे। इस दौरान 69,220 करोड़ के शेयर खरीदे थे।

पाकिस्तान शेयर बाजार 9.8% टूटा: पाकिस्तान के शेयर बाजार में 2 मार्च को बड़ी गिरावट रही। चस्श्व-30 इंडेक्स 4,996 अंक (9.73%) गिरकर 46,326 पर बंद हुआ। इससे पहले भारी बिकवाली के चलते मार्केट में 45 मिनट के लिए ट्रेडिंग रोकनी पड़ी यानी लोअर सर्किट लग गया था।

भारत फिर बढ़ाएगा रूस से कच्चे तेल की खरीद, 95 लाख बैरल तेल पर नजर: मिडिल ईस्ट में ईरान-इजराइल के बीच जंग और तेल की सप्लाई चैन प्रभावित होने के बाद भारत ने एक बार फिर रूस की ओर रुख किया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ाने का प्लान बना रहा है।

कार्पोरेट हस्तियों ने गाए सदाबहार गीत

मैनेजमेंट एसोसिएशन ने उत्साह, सहभागिता एवं प्रबंधन मूल्यों के साथ मनाई होली

भोपाल ■ निसं

भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा 1 मार्च 2026 को रंगों का त्योहार होली अत्यंत उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सदस्यों ने सौहार्द, आनंद और सकारात्मकता की भावना के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय सचिव शंकर कृष्णन ने कहा कि होली का त्योहार नकारात्मकता पर सकारात्मकता, मतभेदों पर सौहार्द और चुनौतियों पर आशा का प्रतीक है – जो व्यावसायिक एवं संगठनात्मक जीवन में भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

अपने स्वागत उद्बोधन में राजेश तिवारी ने कहा कि एसोसिएशन विभिन्न पृष्ठभूमियों से आने वाले पेशेवरों को एक साझा उद्देश्य – सीखने और साथ मिलकर आगे बढ़ने – के लिए एक मंच प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि होली हमें प्रबंधन के तीन शाश्वत पाठ सिखाती है: नवीनता समावेशन साथ मिलकर आनंद कार्यक्रम में उत्साह का रंग भरते हुए रोचक खेलों का आयोजन डॉ निष्ठा पचौरी एवं अभिलाषा मौका द्वारा किया गया, जिसमें सदस्यों ने पूरे उत्साह से भाग लिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत गीत एवं काव्य प्रस्तुति आर जी द्विवेदी जी के छिब्बर शैलेंद्र ओझा अजय वर्मा विजय सक्सेना एस पी पांडे एम पी निगम द्वारा की गई।

पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए होली का उत्सव प्राकृतिक फूलों के साथ मनाया गया, जो सतत एवं पर्यावरण-अनुकूल उत्सव का संदेश देता है। कार्यक्रम का सफल संचालन शैलेंद्र द्वारा किया गया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन माननीय सचिव शंकर कृष्णन ने प्रस्तुत किया।

यह उत्सव एकता, सृजनात्मकता और सामूहिक विकास की भावना को सशक्त रूप से अभिव्यक्त करता है जो होली के साथ-साथ भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन की मूल भावना को भी दर्शाता है।

प्लैटिनम के भाव सपाट, सोने के बढ़ते दामों से बढ़ी मांग

मुंबई। बुलियन मार्केट में मंगलवार को प्लैटिनम के भाव फ्लैट रहे। दिल्ली में 1 ग्राम प्लैटिनम की कीमत 6,976 रुपए है, यानी 10 ग्राम की कीमत 69,760 रुपए है। मुंबई, चेन्नई, अहमदाबाद, कोलकाता, जयपुर, भोपाल और इंदौर में भी 1 ग्राम का रेट समान 6,976 रुपए रहा। होली से पहले प्लैटिनम के भाव में कोई बड़ी हलचल नहीं देखी गई और कल के भाव पर ही कीमत स्थिर रही। सोने के दाम लगातार ऊंचे बने हुए हैं। 10 ग्राम सोने की कीमत लगभग 1,60,000 रुपए तक पहुंच गई है, जबकि 10 ग्राम प्लैटिनम लगभग 66,800 रुपए में उपलब्ध है। इस बड़ा अंतर कई खरीदारों को प्लैटिनम ज्वैलरी की ओर आकर्षित कर रहा है। प्लैटिनम का लुक मॉडर्न और अलग होता है, इसलिए खासकर युवा इसे पसंद कर रहे हैं।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने लॉन्च की 1.40 करोड़ की नई वी-क्लास एमपीवी

मुंबई। जर्मनी की लक्जरी कार निर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने भारतीय बाजार में अपनी नई वी-क्लास लक्जरी एमपीवी पेश की है। इस मॉडल की कीमत 1.40 करोड़ रुपये रखी गई है। कंपनी ने इसे स्थानीय स्तर पर असेंबल किया है, जिससे भारत में स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह मर्सिडीज-बेंज इंडिया का 12वां स्थानीय उत्पादन मॉडल है। वी-क्लास एमपीवी का उत्पादन कंपनी के पुणे स्थित चाकन संयंत्र में किया गया है। इस संयंत्र की सालाना उत्पादन क्षमता 20,000 यूनिट है। इससे कंपनी को स्थानीय मांग के अनुसार आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी और उत्पादन लागत में भी स्थिरता आएगी।

ईरान संकट से प्रभावित भारतीय चाय निर्यात

नई दिल्ली। भारतीय चाय निर्यातक संघ के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ईरान को भेजी गई चाय के भुगतान अटके हुए हैं। कुछ खेप समुद्र में फंसी हैं और भारत में स्टॉक के रूप में खड़ा है। निर्यातक फिलहाल स्थिति का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, अमेरिका और यूरोप जैसे अन्य बाजारों पर भी अल्पकाल में प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि हालात अव्यवस्थित हैं। इस सप्ताह कुछ खेप पश्चिम एशिया के लिए जाने वाली थीं, लेकिन खरीदारों ने उन्हें रोकने की सलाह दी। कंपनी का लगभग 70 फीसदी उत्पादन पश्चिम एशिया को निर्यात होता है।

रियल वाले रंग सब पे चढ़ जाएं' अभियान के साथ 'रियल जूस ' ने बदला होली उत्सव का अंदाज

भोपाल ■ निसं

पैकेज्ड फ्रूट जूस श्रेणी की अग्रणी कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने अपने होली उत्सव अभियान, 'रियल वाले रंग सब पे चढ़ जाएं' को लॉन्च करने की घोषणा की। 'रियल फ्रूट पावर' को हाइड्रेशन और ऊर्जा के बेहतरीन साथी के रूप में पेश करते हुए, यह अभियान भारत के सबसे रंगीन त्योहार की बेरोकटोक और स्वाभाविक खुशी का जश्न मनाता है। 'रियल वाले रंग सब पे चढ़ जाएं' पहल लोगों को अपनी झिझक छोड़ने और 'रंगबाज़' भावना को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है–यानी फलों के प्राकृतिक पोषण से भरपूर रहते हुए पूरे दिल से होली खेलना। इस अभियान के केंद्र में एक हाई-एनर्जी म्यूजिकल फिल्म है, जो आधुनिक भारतीय होली की आत्मा को दर्शाती है: परंपरा, सहज नृत्य और दोस्ती के वास्तविक बंधनों का एक अनूठा संगम।

'होली सिर्फ रंगों का त्योहार नहीं है; यह ऊर्जा और भावनाओं का विस्फोट है। 'रियल वाले रंग सब पे चढ़ जाएं' के माध्यम से, हम अपने उपभोक्ताओं को याद दिलाना चाहते हैं कि त्योहार का आनंद लेने का सबसे अच्छा तरीका अपना वास्तविक स्वरूप बने रहना है। रियल फ्रूट पावर वह आवश्यक पोषण और हाइड्रेशन प्रदान करता है जो पहली फुहार से लेकर आखिरी डांस बीट तक ऊर्जा को बनाए रखने के लिए ज़रूरी है। '– श्री मयंक कुमार, वाइस प्रेसिडेंट – मार्केटिंग, डाबर इंडिया लिमिटेड यह अभियान केवल 'इंस्टाग्राम' वाली दिखावटी तस्वीरों से आगे बढ़कर त्योहार की उस खूबसूरत मस्ती का जश्न मनाता है जिसमें लोग पूरी तरह रंगों में सराबोर हो जाते हैं। जैसे-जैसे परिवार बड़े पैमाने पर समारोहों की तैयारी कर रहे हैं।

रेशमा की लीडरशिप में कंपनी को मिली कामयाबी, दुनिया की 100 शक्तिशाली महिलाओं में हैं शुमार

वर्टेक्स का मार्केट-कैप 5 साल में दोगुना 11 लाख करोड़

मुंबई ■ एजेंसी

साल 1988 की बात है। मुंबई की 11 साल की लड़की माता-पिता के साथ अमेरिका के लॉन्ग आइलैंड पहुंची। सामान कम था, सपने ज्यादा। परिवार छोटे से अपार्टमेंट में रहने लगा। बच्ची का नाम था रेशमा केवलरामानी। आज रेशमा अमेरिका की किसी बड़ी सार्वजनिक बायोटेक कंपनी की पहली महिला सीईओ और प्रेसिडेंट हैं।

हाल ही में प्रतिष्ठित 'टाइम' पत्रिका ने उन्हें 'टाइम वुमन ऑफ द ईयर 2026' चुना है और वे 2025 के 100 सबसे प्रभावशाली हस्तियों की लिस्ट में भी हैं। रेशमा के नेतृत्व में वर्टेक्स का बाजार मूल्य काफी बढ़ा है। अप्रैल 2020 में जब रेशमा सीईओ बनीं, उस वक्त कंपनी का मार्केट कैप लगभग 69 बिलियन डॉलर था। अब करीब दो गुना बढ़कर करीब 120 बिलियन डॉलर (करीब 11 लाख करोड़ रुपए) है। वे फॉर्च्यून और टाइम जैसी पत्रिकाओं की प्रभावशाली वैश्विक हस्तियों की सूची में मुकेश अंबानी, मार्क जुकरबर्ग और सुंदर पिचाई जैसे दिग्गजों के साथ हैं।

टाइम पत्रिका ने लिखा: 'रेशमा की कहानी 'अमेरिकी सपने' का एक जीवंत उदाहरण है।' रेशमा का यह सफर आसान नहीं था। उनके पिता ने न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में कपड़े और इलेक्ट्रॉनिक्स छोटी दुकान शुरू की। रेशमा अक्सर वहां काउंटर पर बैठकर ग्राहकों से बात करतीं और शाम को पिता के साथ दिनभर की कमाई का हिसाब रखती थीं।

कभी चूहों से डर लगता था: उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था, 'हमारे परिवार में करियर के लिए सीमित विकल्प थे- इंजीनियरिंग, डॉक्टर या पुजारी। मैंने चिकित्सा चुना।' 1998 में बोस्टन यूनिवर्सिटी से सर्वोच्च सम्मान के साथ स्नातक की डिग्री ली। किडनी विशेषज्ञ बनीं। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल से जुड़े संस्थानों में रिसर्च करने लगीं। रेशमा अपनी इस यात्रा पर अक्सर एक रोचक किस्सा साझा करती हैं कि लैब में रिसर्च के दौरान उनका सबसे बड़ा डर चूहे थे। वे मजाक में कहती हैं कि उनके करियर के बदलाव में इस डर का भी योगदान था।

एक फोन कॉल ने सब बदल दिया: वर्ष 2004 में एमजेन बायोटेक कंपनी से उनके पास एक प्रस्ताव आया। यह अवसर कैलिफोर्निया में रिसर्च और डेवलपमेंट विभाग में था। फैसला कठिन था क्योंकि उनका पूरा परिवार और छह महीने के जुड़वां बेटे बोस्टन में थे।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका ने पश्चिम एशिया के कई देशों से अपने राजनयिकों, कर्मचारियों को वापस बुलाया

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनावों के बीच अमेरिका ने कतर, कुवैत, बहरीन, इराक, जॉर्डन से अपने गैर-आपातकालीन राजनयिकों, सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवारों को वापस बुलाने का आदेश दिया है। सउदी अरब में ड्रोन हमले के बाद दूतावास बंद कर दिया गया और यरूशलम दूतावास ने नागरिकों को खुद सुरक्षित स्थान खोजने की सलाह दी है। साइप्रस समाचार एजेंसी (सीएनए) ने बताया कि अमेरिकी मिशन सऊदी अरब में मंगलवार को ड्रोन हमले के बाद बंद कर दिया गया। जेद्दा, रियाद और दहरान में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को अगले आदेश तक सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस ने यह कदम आंशिक रूप से इजराइल द्वारा ईरान पर हमले की योजनाओं को तेज करने की पृष्ठभूमि में उठाया है। इसके अलावा ईरान ने भी चेतावनी दी है कि यदि उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर उस पर हमला किया गया तो वह क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना सकता है। कुवैत स्थित अमेरिकी दूतावास भी अगले आदेश तक बंद रहेगा। सभी नियमित और आपातकालीन वीज़ा एवं कांसुलर सेवाएं फिलहाल रद्द कर दी गई हैं। इज़राइल में अमेरिकी दूतावास ने स्पष्ट किया है कि वह वहां से निकलने की इच्छा रखने वाले अमेरिकी नागरिकों को न तो निकासी सुविधा दे सकता है और न ही सीधे सहायता कर सकता है।

प. एशिया में तनाव के बीच साइप्रस को एंटी-मिसाइल-ड्रोन सिस्टम व युद्धपोत भेजेगा फ्रांस

निकोसिया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच साइप्रस की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच फ्रांस ने बड़ा कदम उठाया है। हालिया घटनाओं के बाद फ्रांस ने साइप्रस को एंटी-मिसाइल और एंटी-ड्रोन सिस्टम के साथ एक युद्धपोत भी भेजेगा। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स ने मंगलवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से वार्ता के बाद इसकी पुष्टि की। साइप्रस की सरकारी न्यूज एजेंसी सीएनए ने एक रिपोर्ट में बताया कि दोनों नेताओं के बीच सोमवार को दो बार फोन पर बातचीत हुई थी, जिसमें क्रिस्टोडौलाइड्स ने सुरक्षा सहायता का अनुरोध किया था। फ्रांस सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के लिए साइप्रस को एंटी-मिसाइल और एंटी-ड्रोन सिस्टम के साथ-साथ एक युद्धपोत भी भेजेगा। इसके अलावा, दूसरा युद्धपोत भी जल्द भेजे जाने की योजना है। इसी दौरान राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलाइड्स ने जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ से भी एक जर्मन युद्धपोत तैनात करने का अनुरोध किया। मर्ज़ ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है और जर्मन सरकार की ओर से जल्द ही आधिकारिक निर्णय आने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके पूर्व, सोमवार को राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलाइड्स के आग्रह के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने फोन पर दो बार सैन्य सामानों को लेकर बात की थी।

चुनाव के मद्देनजर नेपाल से लगी भारत और चीन की सीमा सील

काठमांडू। नेपाल में 5 मार्च को होने जा रहे प्रतिनिधि सभा सदस्य के चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से नेपाल से सटी भारत और चीन की सीमाओं को 72 घंटे के लिए सील कर दिया गया है। नेपाल से लगी भारत और चीन की सीमा आज मध्य रात से 5 मार्च शाम तक के लिए बंद कर दी गई है। इस दौरान किसी भी प्रकार की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। नेपाल-भारत की सीमा सील होने से पहले भारत और चीन से सटे सभी जिला प्रशासन और सुरक्षा अधिकारी की संयुक्त बैठक में इस बात की औपचारिक जानकारी करा दी गई थी। सरकार ने यह कदम चुनाव के दौरान अवांछित गतिविधियों, आपराधिक तत्वों की आवाजाही, अवैध धन तथा प्रचार सामग्री के प्रवेश को रोकने के लिए उठाया है। गृह प्रशासन के अनुसार सीमा नाकों पर सशस्त्र प्रहरी बल, नेपाल पुलिस और अन्य सुरक्षा निकायों की तैनाती बढ़ा दी गई है।

रियाद में अमेरिकी दूतावास पर ईरान का बड़ा ड्रोन हमला

रियाद। सऊदी अरब में रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास पर मंगलवार को ईरान ने ड्रोन से अबतक का सबसे बड़ा हमला किया। हमले के दौरान भीषण धमाके के साथ दूतावास परिसर में आग लग गई। अमेरिकी दूतावास को दो ड्रोन से निशाना बनाया गया। मीडिया समूह सऊदी गजट ने देश के रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया है कि मंगलवार तड़के रियाद और अल-खारज शहरों के पास 8 ड्रोन को नष्ट कर दिया गया। प्रवक्ता ने बताया कि प्रारंभिक आकलन के अनुसार, रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास को दो ड्रोनों द्वारा निशाना बनाया गया था। इस घटना में इमारत के एक हिस्से में आग लगने से मामूली क्षति पहुंची है। जबकि सऊदी अरब ने प्रिंस सुल्तान एयर बेस को निशाना बना रहे 5 ड्रोनों को रोका। इससे पहले सोमवार को भी कुवैत और जॉर्डन स्थित अमेरिकी दूतावास पर ईरान ने हमला किया।

क्या किसी महिला नेता को मौका दे सकता है एनडीए?

बिहार में बदल रहे समीकरण: नीतीश के बाद कौन बनेगा मुख्यमंत्री?

पटना ■ एजेंसी

बिहार में अगला मुख्यमंत्री कौन बनेगा? यह सवाल आ गया है, क्योंकि सीएम नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने की सूचना दे दी है। वह 10 बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले पहले मुख्यमंत्री हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार की सत्ता से दिल्ली भेजने में भारतीय जनता पार्टी कामयाब रही। नवंबर में हुए चुनाव भले ही नीतीश कुमार के चेहरे पर एनडीए को जीत मिली थी, लेकिन अब वह चेहरा राज्यसभा जा रहा है। 2005 से 2025 तक विभिन्न परिस्थितियों में मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार ने 10 बार शपथ ली थी। अब वह राज्यसभा के लिए नामांकन कर रहे हैं। आइए जानते हैं, कब-कब मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश ने शपथ ली और अब आगे कौन-सा चेहरा सामने आएगा?

कौन बनेगा अगला मुख्यमंत्री, महिला चेहरे की भी चर्चा

भारतीय जनता पार्टी 2014 के बाद से लगातार चौंकाने वाला काम करती रही है, खासकर चेहरे को लेकर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नवीन को लाने के फैसले के बाद अब नीतीश कुमार को राज्यसभा का रास्ता दिखाने के रूप में नया चौंकाने वाला फैसला सामने आ चुका है। ऐसे में 2020 चुनाव के पहले चल रहे भाजपा नेता और केंद्रीय राज्यमंत्री नित्यानंद राय या 2025 चुनाव के पहले चर्चा में रहे सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा, इसकी गारंटी देता हुआ कोई सामने नहीं आ रहा है। राज्यसभा चुनाव के लिए नितिन नवीन का नाम आने के पहले उनके भी बिहार सीएम बनने की चर्चा थी। बीच में भाजपा कोटे की मंत्री श्रेयसी सिंह का भी नाम उभरा था। अब देखना है कि इन नामों में से कोई रहता है या कोई चौंकाने वाला ही चेहरा सामने किया जाता है।

नीतीश कुमार के दो दशकों के राजनीतिक सफर, पहली बार कब सीएम बनें...

2000 पहली बार सिर्फ सात दिन के लिए सीएम बने नीतीश

नीतीश कुमार पहली बार 3 मार्च 2000 को मुख्यमंत्री बने थे। हालांकि, बहुमत न जुटा पाने की वजह से उन्हें 10 मार्च 2000 को पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद बिहार में 2005 में हुए चुनाव में नीतीश भाजपा के समर्थन से दूसरी बार मुख्यमंत्री पद पर काबिज हुए। 2010 में हुए विधानसभा चुनाव में एक बार फिर जनता ने नीतीश को ही सीएम बनाया।

2014-हार की जिम्मेदारी ले छोड़ा पद

लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ पार्टी के खराब प्रदर्शन की वजह से उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। इस दौरान उन्होंने जीतनराम मांझी को मुख्यमंत्री पद सौंपा। हालांकि, 2015 में जब पार्टी में अंदरुनी कलह शुरू हुई तो नीतीश ने मांझी को हटाकर एक बार फिर खुद सीएम पद ग्रहण किया।

2015 महागठबंधन के साथ दर्ज की जीत

2015 के विधानसभा चुनाव में महागठबंधन (जदयू, राजद, कांग्रेस और लेफ्ट गठबंधन) की एनडीए के खिलाफ जीत के बाद नीतीश कुमार एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री बने। यह कुल पांचवीं बार रहा, जब नीतीश ने सीएम पद की शपथ ली।

2017 तेजस्वी पर लगे आरोप, महागठबंधन छोड़ एनडीए से जुड़े

राजद और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद नीतीश कुमार ने महागठबंधन से अलग होने का फैसला किया। उन्होंने जुलाई 2017 में ही पद से इस्तीफा दिया और एक बार फिर एनडीए का दामन थाम कर सीएम पद संभाला।

2020 जदयू की कम सीटें, फिर भी बने सीएम

2020 के विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन ने जीत हासिल की। हालांकि, जदयू की सीटें भाजपा के मुकाबले काफी घट गईं। इसके बावजूद नीतीश कुमार ने सीएम पद की शपथ ली। हालांकि, भाजपा में उनके मुख्यमंत्री पद को लेकर लंबे समय तक पसोपेश की स्थिति रही। अब नीतीश ने एनडीए से अलग होने का एलान कर एक बार फिर इस्तीफा दे दिया है।

2022- महागठबंधन में लौटे, बने 8वीं बार सीएम

एनडीए से अलग होने के एलान के ठीक बाद नीतीश कुमार ने राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन से जुड़ने का एलान कर दिया। इसी के साथ यह तय हो गया कि नीतीश कुमार अब आठवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। मंगलवार शाम तक शपथग्रहण के समय का एलान भी हो गया। बुधवार को उन्होंने आठवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

2024 महागठबंधन का साथ छोड़कर एनडीए में गए

जनवरी 2024 में, भ्रष्टाचार की बात कह सीएम नीतीश कुमार ने महागठबंधन से नाता तोड़ दिया। महागठबंधन और खासकर तेजस्वी यादव पर गड़बड़ करने का आरोप लगााय। नीतीश कुमार ने एक बार फिर महाएनडीए में शामिल हो गए और नौंवी बार उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

2025 दसवीं बार नीतीश कुमार ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

नवंबर 2025, में बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड जीत मिलने के बाद एक बार फिर नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री बन गए। उन्होंने 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वह बिहार में सबसे लंबे समय तक सत्ता संभालने वाले मुख्यमंत्री भी हैं। बिहार में अभी तक किसी भी मुख्यमंत्री का कार्यकाल इतना लंबा नहीं रहा है। इस तरह वह बिहार के पहले ऐसे मुख्यमंत्री बन गए, जिन्होंने 10 बार सीएम पद की शपथ ली है। उनके नाम बिहार में सबसे लंबे समय पर सत्ता में रहने का रिकॉर्ड पहले से ही है।

होली पर मिलने आई प्रेमिका, बात बिगड़ी तो भाइयों ने ब्वॉय फ्रेंड को मार दी गोली

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली से सटे नोएडा के सेक्टर-75 स्थित आईवी काउंटी सोसाइटी होली के दौरान गोलियों से गूंज उठा, जहां एक युवक की उसकी ही प्रेमिका के भाई ने गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह पूरा मामला थाना सेक्टर 113 इलाके का है। बता दें कि मृतक की पहचान 39 साल के साहिल सिंघल के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे सोसाइटी में होली की खुशी के बीच सनसनी फैल गई।

पुलिस के मुताबिक, साहिल सिंघल पहले से शादीशुदा है और उसका पिछले 4 साल से एक अन्य महिला के साथ भी चल रहा था। होली के मौके पर वह महिला अपने दो भाइयों के साथ साहिल से मिलने सोसाइटी पहुंची थी। सोसाइटी में एंट्री खुद साहिल ने ही उन्हें दिलाई थी। लेकिन प्रेमिका के इन्हीं भाइयों ने साहिल के हत्याकांड को अंजाम दिया। उनकी मुलाकात के दौरान, किसी बात

को लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि महिला के भाई ने गुस्से में आकर साहिल पर गोली चला दी। ये गोली सीधे साहिल के शरीर में जा ली। इससे वह मौके पर ही तड़पने लगा। गोली लगने के बाद परिजन उसे तुरंत प्राइवेट अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। साहिल की जान नहीं बच पाई।

वहीं, घटना की सूचना मिलते ही थाना सेक्टर-113 पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मामले में 2 लोगों को हिरासत में लिया है और मृतक के परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

नंगे बदन पर पड़ेंगे कोड़े, समाज गायन पर झूमेंगे भक्त; दाऊजी का हुरंगा देखने उमड़ा जनसैलाब

मथुरा ■ एजेंसी

मथुरा के बलदेव स्थित विश्व प्रसिद्ध श्रीदाऊजी महाराज के हुरंगा में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। समाज गायन के बाद मंदिर से आदेश मिलते ही पारंपरिक हुरंगा शुरू होगा।

मथुरा के बलदेव में विश्व प्रसिद्ध श्रीदाऊजी महाराज के हुरंगा में आस्था का श्रद्धा का जनसैलाब चारों ओर भीड़ ही भीड़ नजर आ रही हैं। हुरंगा शुरू होने में थोड़ी देर है, समाज गायन के पश्चात दाऊजी बाबा के आदेशानुसार तत्काल हुरंगा शुरू होगा। इसके बाद सभी श्रद्धालु भक्त हुरंगा का आनंद लेंगे। हुरंगा का आनंद लेने के लिए देश-विदेशी से श्रद्धालु हजारों की संख्या में चारों ओर देखने को मिल रहे हैं।

हुरियारिनें सज धज कर तैयार होकर परंपरागत लहंगा फरिया आभूषण पहनकर आ रही हैं। हुरियारे भी सज धज कृष्ण बलराम स्वरूप में आए हुए हैं। श्रीदाऊजी महाराज का आदेश शुरू होते ही हुरंगा प्रारंभ हो जाएगा। ्रंगा में बैंड बाजे, नफीरी विभिन्न वाद्य यंत्रों की गान सुनाई दे रही है। होरी नायैं जि दाऊजी को हुरंगा है, होरी कौ मजा चखाय दूंगी, हुरंगा में आ जाइयौ आदि लोकगीत व होली रसिया चारों ओर गूंज रहे हैं। पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी चारों ओर नजर आ रही है। पुलिस अधिकारी लगातार मौका मुआयना व निरीक्षण कर व्यवस्था बनाने में जुटे हुए हैं।

ईरान से जंग के बीच अमेरिका ने की मिसाइल की टेस्टिंग

न्यूयॉर्क/वैंडेनबर्ग ■ एजेंसी

मध्य पूर्व में ईरान के साथ बढ़ते संघर्ष के बीच अमेरिका ने अपनी परमाणु क्षमता वाली एलजीएम-30 जी मिनटमैन आईआईआई अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का एक रूटीन परीक्षण किया है। अमेरिकी स्पेस फोर्स के मुताबिक, इस आईसीबीएम का यह परीक्षण वर्षों पहले से निर्धारित था और वर्तमान वैश्विक घटनाओं से इसका कोई लेना देना नहीं है। मिनटमैन आईआईआई का यह परीक्षण मंगलवार की रात को कैलिफोर्निया के वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से लगभग 11 बजे स्थानीय समय पर किया गया। मिसाइल को जीटी-255 नाम दिया गया था, जिसमें दो टेस्ट री-एंट्री व्हीकल लगे थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह अनआर्म्ड यानी कि बिना हथियार वाली मिसाइल प्रशांत महासागर के पार उड़ी और अपना लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया। अमेरिकी एयर फोर्स ग्लोबल स्ट्राइक कमांड ने बताया कि इस परीक्षण का मकसद यह देखना था कि अमेरिका की जमीन से दागी जाने वाली परमाणु मिसाइल प्रणाली कितनी प्रभावी, तैयार और भरोसेमंद है। 576वीं फ्लाइट टेस्ट स्क्वाड्रन की कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल कैरी रे ने कहा, जीटी-255 परीक्षण से मिसाइल सिस्टम के अलग-अलग हिस्सों के काम करने के तरीके को समझने और जांचने का मौका मिला। अलग-अलग तरह के मिशन प्रोफाइल पर टेस्ट करके पूरी फ्लीट के प्रदर्शन को बेहतर बनाया जा रहा है।

लेफ्टिनेंट कर्नल कैरी रे ने आगे कहा, %इसका मकसद है कि अमेरिका की परमाणु ताकत के 3 प्रमुख हिस्सों यानी कि न्यूक्लियर ट्रायड में से जमीन से दागी जाने वाली मिसाइलें हमेशा पूरी तरह तैयार और सक्षम रहें। एयर फोर्स ग्लोबल स्ट्राइक कमांड

के कमांडर जनरल एसएल डेविस ने कहा, हमारी फोर्स के सभी पहलुओं की जांच करना बहुत जरूरी है, जिसमें दुश्मन की रक्षा को भेदने और कई स्वतंत्र रूप से लक्षित पेलोड को सटीकता से पहुंचाने की क्षमता शामिल है। यह परीक्षण हथियार सिस्टम की जटिल समन्वय की पुष्टि करता है, लॉन्च से लेकर हर री-एंट्री व्हीकल के सही तैनाती तक।

अमेरिका-इजराइल हमले में खामेनेई की मौत के विरोध में कश्मीर में प्रदर्शनों पर लागू रोक जारी

श्रीनगर ■ एजेंसी

अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के विरोध में घाटी में हुए व्यापक प्रदर्शनों के चलते मंगलवार को लगातार दूसरे दिन सख्त प्रतिबंध लागू है।

एक दिन पहले सोमवार को एहतियाती उपायों के तौर पर शिक्षण संस्थान दो दिनों के लिए बंद कर दिया गया और मोबाइल इंटरनेट की गति धीमी कर दी गई। मंगलवार को कुछ स्थानों पर प्रदर्शनों के हिंसक होने के बाद अधिकारियों ने घाटी में सुरक्षा बलों के सभी काफिलों की आवाजाही रद्द कर दी। तनाव से बचने के लिए उन्होंने मंगलवार को सुरक्षा बलों की कोई भी सड़क खोलने वाली टुकड़ी तैनात न करने का भी निर्णय लिया है।

खामेनेई की मौत के बाद सोमवार को जम्मू-कश्मीर में हुए प्रदर्शनों के दौरान छह सुरक्षाकर्मियों सहित कम से कम 14 लोग घायल हो गए।

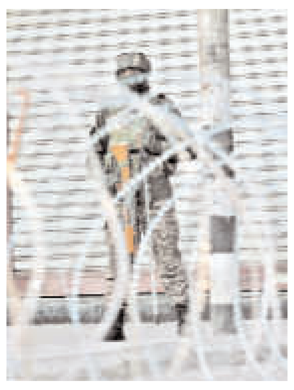

अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर घाटी के विभिन्न स्थानों पर 75 रैलियां आयोजित की गई जबकि सोमवार को जम्मू क्षेत्र में भी कुछ प्रदर्शन हुए।

अगस्त 2019 के बाद कश्मीर में इतने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन पहली बार हुए हैं। कश्मीर संभागीय प्रशासन ने लोगों से संयम बरतने और अधिकारियों द्वारा जारी सलाह का पालन करने की अपील की। एक प्रवक्ता ने कहा, 'कश्मीर संभागीय प्रशासन घाटी में शांति बनाए रखने और कानून व्यवस्था कायम रखने में सभी समुदायों की भूमिका को स्वीकार करता है। नागरिकों को संयम बरतने, स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी सलाहों का पालन करने और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर केवल सत्यापित जानकारी साझा करने की सलाह दी जाती है।' उन्होंने बताया कि सहायता की आवश्यकता वाले किसी भी व्यक्ति के लिए यहां चौबीसों घंटे चलने वाली हेल्पलाइन (0194-2740003) स्थापित की गई है। पुलिस ने भी लोगों से हिंसा और उकसावे से बचने की अपील की।

पुलिस ने कहा कि वे हिंसा भड़काने वालों और गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेंगे। सोमवार को अधिकारियों ने एहतियाती उपायों के तहत केंद्र शासित प्रदेश में लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाए, शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया और मोबाइल इंटरनेट की गति धीमी कर दी।

अभिनेत्री ने बताई अपनी आपबीती, बोलीं- ये डरावना है

दुबई में फंसी लारा दत्ता, यूएस-ईरान तनाव के बीच बेटी संग काट रहीं मुश्किल वक्त

नई दिल्ली ■ एजेंसी

बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स लारा दत्ता भूपति ने पश्चिम एशिया में ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच दुबई में फंसे होने का अपना डरावना अनुभव साझा किया है। लारा दत्ता अपनी बेटी सायरा के साथ फिलहाल वहीं हैं और उन्होंने एक इमोशनल वीडियो के जरिए वहां के हालातों और अपनी मानसिक स्थिति के बारे में विस्तार से बताया है। इतना ही नहीं उन्होंने बताया कि ये उनके लिए आसान वक्त नहीं है। लारा दत्ता ने पूरी आपबीती साझा की है।

लारा दत्ता ने 28 फरवरी की उस भयानक घटना को याद किया जब वह दुबई के एक स्टूडियो में शूटिंग कर रही थीं। उन्होंने बताया कि अचानक हुए धमाकों की आवाज सुनकर वे सभी बाहर भागे और आसमान में मिसाइलों को इंटरसेप्ट होते देखा। लारा ने कहा, मैं झूठ नहीं बोल सकती। पिछले कुछ दिनों से यह स्ट्रेसफुल रहा है। यह डरावना रहा है। ऊपर जेट उड़ रहे हैं, बहुत तेज धमाके हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन धमाकों की तीव्रता इतनी अधिक है कि उनके विला की खिड़कियां और दरवाजे तक हिल रहे हैं। उनके पति महेश भूपति काम के सिलसिले में बाहर हैं, जिससे इस मुश्किल घड़ी में अपनी बेटी को अकेले संभालना उनके लिए और भी चुनौतीपूर्ण हो गया है। लगातार होते धमाकों और तनाव के बावजूद लारा ने संयुक्त अरब अमीरात सरकार की सतर्कता और सुरक्षा प्रबंधों पर गहरा भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि हालांकि स्थिति डरावनी लग सकती है, लेकिन उन्हें एक बार भी असुरक्षित महसूस नहीं हुआ। लारा के अनुसार, यूएस सरकार यह पक्का कर रही है कि वे हमारी सुरक्षा के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दें। हमें सच में लगता है कि हमारी देखभाल की जा रही है, चाहे हम किसी भी देश के हों। हमें लगता है कि हमारी गिनती होती है और हम मायने रखते हैं। उन्होंने भारत की सुरक्षा व्यवस्था से इसकी तुलना करते हुए कहा कि यहाँ भी उन्हें अपने देश जैसी ही सुरक्षित अनुभूति हो रही है। अपने वीडियो में लारा ने उन आम लोगों और डिलीवरी राइडर्स के प्रति विशेष सम्मान व्यक्त किया जो युद्ध जैसी स्थिति में भी देश की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने भावुक होकर कहा कि उनके मन में उन लोगों के लिए बहुत इज़्ज़त है जिनके पास कहीं जाने का विकल्प नहीं है और जो अपनी ड्यूटी कर रहे हैं। लारा ने अंत में उम्मीद जताई कि स्थिति जल्द सामान्य होगी।

काठमांडू। काठमांडू की एक बहुमंजिली इमारत का एक रेस्टोरेंट आग में जलकर पूरी तरह से खाक हो गया है। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। यह घटना ललितपुर के पुलचोक स्थित दाउरा थकाली रेष्टुरेन्ट में हुई, जहां शार्ट शर्किट से लगी आग पूरे रेस्टोरेंट में फैल गई। ललितपुर के पुलिस प्रवक्ता एसपी गौतम मिश्रा के अनुसार आग लगने के तुरंत बाद मौके पर पहुंची दमकल गाड़ियों और सुरक्षा कर्मियों की मदद से आग पर नियंत्रण कर लिया गया। यह रेस्टोरेंट भवन की आठवीं मंजिल पर स्थित था, जो इस घटना में पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। दाउरा थकाली के अलावा भवन के अन्य हिस्सों को भी आंशिक क्षति पहुंची है। एसपी मिश्रा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण विद्युत शॉर्ट सर्किट बताया गया है।

अल्बानिया से सुरक्षित लौटी मप्र की रेसलिंग खिलाड़ी

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वीडियो कॉल पर की चर्चा, परिवार ने जताया आभार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अल्बानिया के तिराना शहर में आयोजित वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप रैंकिंग सीरीज़ में हिस्सा लेने गई मध्यप्रदेश की बेटी प्रियांशी प्रजापत की सुरक्षित स्वदेशी वापसी के लिए उच्च स्तरीय प्रयास किए। जिसके फलस्वरूप खिलाड़ी बेटी वापस भारत पहुंच गई है। जिसको लेकर प्रियांशी के माता-पिता ने सीएम डॉ मोहन को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रियांशी को उत्कृष्ट प्रदर्शन, रजत पदक जीतने के लिए बधाई भी दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रियांशी के उज्जैन निवासी परिजन से भी वीडियो कॉल से चर्चा की। प्रियांशी के पिता प्रजापत ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के दिए गए सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। बीते 24 फरवरी से 28 फरवरी तक अल्बानिया में हुई वर्ल्ड रेसलिंग प्रतियोगिता में प्रियांशी ने 26 फरवरी को यह मुकाबला जीता था। प्रियांशी ने कज़ाकिस्तान, अमेरिका और अल्बानिया की पहलवानों को हराकर शानदार प्रदर्शन किया। पिछले वर्ष एशियन सीरीज़ में भी उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया था।

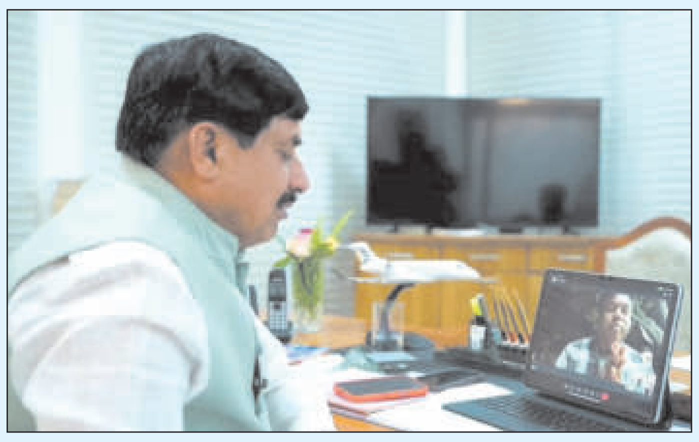

मध्य-पूर्व एशिया में बढ़ते युद्ध तनाव के कारण प्रियांशी और उनके साथ गए सभी खिलाड़ी वहां फंस गए थे। इस कठिन समय में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लगातार खिलाड़ी बिटिया की सुरक्षित वापसी के लिए आवश्यक सभी संसाधन उपलब्ध करवाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हमेशा उन्हें अपनी बेटी के समान स्नेह और समर्थन दिया है, जब वे मध्यप्रदेश कुश्ती क्षेत्र के अध्यक्ष थे, तब भी उन्होंने 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की थी।

भाई दूज आज

भोपाल। आज भाई दूज पर बहनें ने अपने भाइयों की पूजन किया। उन्होंने अपने भाइयों की दीर्घायु की कामना करते हुए उनकी आरती उतार कर आशीर्वाद दिया।

'मामा का घर'... मामा का हुआ भव्य स्वागत

जन्म दिन पर शिवराज ने दिव्यांगों को ट्राई साईकिल वितरित कर सेवा समर्पण का दिया नया संदेश

भोपाल ■ अमृत दर्शन

केंद्रीय मंत्री शिवराजसिंह चौहान का आज जन्म दिन है उनके 74 बंगला स्थित निवास 'मामा का घर' पर भव्य स्वागत हुआ। बड़ी संख्या में समर्थकों ने शिवराज सिंह चौहान का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया और जन्म दिन की शुभकामनाएं दी। शिवराज सिंह चौहान अपने जन्म दिन के शुभ अवसर पर मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि प्रेम और सेवा के बगैर कुछ नहीं हो सकता।

प्रेम का प्रगति करण सेवा से ही होता है हो सकता है उन्होंने कहा कि आज दुनिया में जो स्थिति उत्पन्न हुई है उसने प्रेम और सद्भावना के साथ सेवा जरूरी है। उन्होंने बच्चों की शिक्षा स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए कहा कि अपनी संसदीय क्षेत्र में मोबाइल क्लिनिक खोले जहां आसानी से लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके। शिवराज सिंह ने अपने जन्म दिन पर दिव्यांगजनों को 30 ट्राई साईकिल वितरण करते हुए कहा कि इस तरह से सभी को सेवा के कार्य में अग्रसर होना चाहिए। शिवराज सिंह चौहान ने ट्राई साईकिल वितरित कर प्रेम सेवा और समर्पण का नया संदेश दिया है पर्यावरण के मामले में भी वे बेहद गंभीर हैं।

उल्लेखनीय है कि शिवराज सिंह चौहान मप्र के इकलौते नेता जो मप्र में मुख्यमंत्री रहते हुए पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतर काम किये हैं। हर दिन पौध रोपण कर उन्होंने नया कीर्तिमान स्थापित किया जो देश के किसी राज्य में इस तरह का कार्य कोई मुख्यमंत्री नहीं कर सका। संवेदनशीलता के मामले में भी शिवराज का कोई तोड़ नहीं है राह चलते भी घायल, इंसान हो या फिर पशु उनके इलाज में वह हमेशा आगे रहे हैं। यही कारण है कि आज भी उनकी लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आयी है। वे जहां भी जाते हैं मामा, मामा और भैय्या से ही लोग उन्हें शिवराज सिंह को संबोधित करते हैं।

ब्लैक मेलिंग केस में फंसे पूर्व रेलकर्मी के वायरल वीडियो की जांच, फॉरेंसिक रिपोर्ट पर टिकी नजर

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल के स्लॉटर हाउस संचालक असलम चमड़ा के करीबी से गोमांस तस्करी मामले में आगे खुलासा नहीं करने और कथित रूप से हाईप्रोफाइल लोगों व राजनेताओं का नाम जोड़ने की धमकी देकर लाखों रुपये वसूलने के आरोप में गिरफ्तार पूर्व रेलकर्मी राजेश तिवारी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं।

तीन दिन पहले ब्लैकमेलिंग के आरोप में गिरफ्तार किए गए तिवारी के कुछ कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि असलम चमड़ा के करीबी द्वारा कराए गए एक स्टिंग ऑपरेशन में तिवारी कथित रूप से पैसे लेते हुए कैमरे में दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद उनके कई वीडियो अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर प्रसारित हो रहे हैं।

निशातपुरा थाना प्रभारी मनोज पटवा ने बताया कि वायरल वीडियो को जांच में शामिल कर लिया गया है। फॉरेंसिक जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि वीडियो वास्तविक हैं या उनमें किसी प्रकार की एडिटिंग या एआई तकनीक से छेड़छाड़ की गई है। पुलिस ने पहले ऑडियो साक्ष्य के आधार पर तिवारी को गिरफ्तार किया था। बाद में फरियादी ने कुछ वीडियो भी पुलिस को सौंपे।

हालांकि, सोशल मीडिया पर जो वीडियो प्रसारित हो रहे हैं, उनके स्त्रोत को लेकर भी जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यदि ये वीडियो पहले से कुछ लोगों के पास थे, तो तत्काल शिकायत क्यों नहीं की गई। साथ ही यह भी जांच का विषय है कि वीडियो वास्तविक हैं या किसी साजिश के तहत तैयार किए गए। पुलिस सभी पहलुओं पर सतर्कता के साथ जांच कर रही है। तिवारी का मोबाइल फोन जब्त कर फॉरेंसिक लैब भेज दिया गया है।

तिवारी पर दर्ज हैं कई गंभीर मामले

राजेश तिवारी पर पहले से भी गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। रेलवे स्टेशन की शासकीय इमारत में एक युवती के साथ दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और हत्या के प्रयास जैसे मामलों में वह पहले ही बर्खास्त किया जा चुका है। अब ताजा प्रकरण के बाद उसका आपराधिक रिकॉर्ड फिर चर्चा में है।

एमपी बोर्ड में अब 10वीं में 7 और 12वीं में होंगे 6 पेपर होंगे

बेस्ट ऑफ फाइव सिस्टम पर लगेगी रोक

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की बोर्ड परीक्षाओं में बैठने वाले लाखों विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव होने जा रहा है। पिछले 9 वर्षों से चले आ रहे 'बेस्ट ऑफ फाइव' सिस्टम, जिसमें एक विषय में फेल होने पर भी छात्र पास मान लिए जाते थे, उसे अब समाप्त किया जा रहा है। बोर्ड का मानना है कि इस व्यवस्था से छात्रों का पास प्रतिशत तो बढ़ा, लेकिन उनकी शैक्षणिक योग्यता और रोजगार पाने की क्षमता पर बुरा असर पड़ा है। सत्र 2026-27 से 10वीं के छात्रों को 7 और 12वीं के छात्रों को 6 विषयों की परीक्षा देनी होगी। इसका उद्देश्य छात्रों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार करना और उन्हें सेना व सरकारी नौकरियों के योग्य बनाना है।

साल 2017 में जब बोर्ड का रिजल्ट गिर गया था, तब छात्रों को राहत देने के लिए 'बेस्ट ऑफ फाइव' लाया गया था। लेकिन इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि छात्रों ने गणित, अंग्रेजी और विज्ञान जैसे

महत्वपूर्ण विषयों को पढ़ना लगभग छोड़ दिया। इसका सबसे बड़ा नुकसान भारतीय सेना की भर्ती में देखा गया, जहाँ हर विषय में कम से कम 33% अंक अनिवार्य होते हैं। एमपी बोर्ड के हजारों छात्र गणित या अंग्रेजी को छोड़कर पास तो हो गए, लेकिन सेना भर्ती और डाक विभाग की नौकरियों में अयोग्य घोषित कर दिए गए। अनिवार्य विषयों की गहराई से जानकारी न होने के कारण सरकारी नौकरियों की दौड़ में पिछड़ रहे हैं।

मध्यप्रदेश शिक्षा मंडल के सचिव बुद्धेश कुमार वैद्य ने बताया कि विषयों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव सरकार को भेज दिया गया है। उन्होंने साफ किया कि हमारा मकसद सिर्फ बच्चों को पास कराना नहीं, बल्कि उनकी शिक्षा के स्तर को सुधारना है ताकि उन्हें भविष्य में अच्छी नौकरियां मिल सकें। यह नया नियम 2026-27 के सत्र से शुरू करने की तैयारी है।

बेस्ट ऑफ फाइव होगा खत्म

पिछले 9 वर्षों से मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षाओं में ज्यादा अंक दिलाने वाला 'बेस्ट ऑफ फाइव' सिस्टम अब खत्म होने जा रहा है। शिक्षा विभाग ने इसे पूरी तरह बंद करने का प्रस्ताव तैयार कर लिया है। जिससे अब केवल पास होना काफी नहीं होगा, बल्कि हर मुख्य विषय में दक्षता हासिल करनी होगी। छात्रों को अपनी मेहनत का दायरा बढ़ाना होगा। मंडल ने लोक शिक्षण संचालनालय को एक प्रस्ताव भेजा है जिसमें 10वीं और 12वीं के विषयों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। अब नए पैटर्न के तहत 10वीं क्लास के छात्रों को 6 की जगह 7 और 12वीं के छात्रों को 5 की जगह 6 विषयों की परीक्षा देनी होगी। इस बदलाव का मुख्य लक्ष्य छात्रों को भविष्य की वैश्विक चुनौतियों और सरकारी नौकरियों की कसौटी पर खरा उतारना है।

भोपाल की 29 शराब दुकानों के आज फिर टेंडर

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल की 29 शराब दुकानों के लिए आज, गुरुवार को फिर से टेंडर की प्रक्रिया होगी। 7 ग्रुप में बंटे इन दुकानों की रिजर्व प्राइज करीब 520 करोड़ रुपए रखी गई है। 2 मार्च को भी इनके लिए टेंडर की प्रक्रिया हुई थी, लेकिन किसी ने भी टेंडर नहीं भरा था। इसलिए दोबारा प्रक्रिया की जा रही है।

बता दें कि भोपाल में कुल 87 कम्पोजिट शराब दुकानें हैं। इस बार ठेकों को 4 की बजाय 20 ग्रुप में बांटा गया है। ताकि, छोटे और नए लाइसेंस कारोबारी भी ठेके ले सके। 29 ठेकों के लिए पहली नीलामी 2 मार्च को की गई, लेकिन एक भी टेंडर नहीं आए। इसके पीछे जिम्मेदार बड़े ग्रुप की मोनोपाली बता रहे हैं। विभाग के मुताबिक, अब नए सिरे से टेंडर की प्रक्रिया की जा रही है। बाकी ग्रुप के लिए भी टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वहीं, सभी 87 शराब ठेकों की रिजर्व प्राइस 1432 करोड़ रुपए है। पहले फेज के 7 ग्रुप के लिए प्रक्रिया की गई। इनमें बागसेवनिया ग्रुप की 5 दुकान, हबीबगंज फाटक ग्रुप की 4 दुकान, भानपुर चौराहा ग्रुप की 5 दुकान, स्टेशन बजरिया ग्रुप की 5 दुकान, खजूरीकलां ग्रुप की 3 दुकान, जहांगीराबाद ग्रुप की 4 दुकान और गुनगा ग्रुप की 3 दुकानें शामिल हैं।

आज 1100 क्वार्टर स्थित चित्रगुप्त मंदिर में भगवान चित्रगुप्त की जयंती पर कायस्थ समाज के लोगों के द्वारा भगवान चित्रगुप्त की पूजन के पश्चात कलम दावत की पूजा अर्चना की।

भोपाल में मरीज को देखने से रोका तो भड़के परिजन

पत्थर फेंके, वाहन फोड़े, 3 पुलिसकर्मी घायल

भोपाल। भोपाल के पटेल नगर स्थित लक्ष्मी हॉस्पिटल में एक युवक की मौत के बाद बुधवार दोपहर को पुलिस पर पत्थर बरसाने, वाहन फोड़ने के मामले में आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया है। हमले में तीन पुलिसकर्मी घायल हुए थे। हिरासत में लिए युवकों ने पुलिस को दिए बयानों में बताया कि युवक को चक्कर आने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया था।

साधारण समस्या के बावजूद युवक को आईसीयू में भर्ती कर लिया गया। क्या इलाज किया, कैसे किया और किसने किया, यह अस्पताल के जिम्मेदार परिजनों को नहीं बता रहे थे। आखिरी समय में किसी को भी युवक से मिलने नहीं दिया गया। इससे परिजनों को अस्पताल की नीयत पर शक हुआ। स्टॉफ से बात की तो उन्होंने बदसलूकी कर इलाज करने वाले डॉक्टर से मिलाने से इनकार कर दिया। जिसके बाद लोगों ने अस्पताल में हंगामा कर दिया। पुलिस के आने पर भीड़ और भड़क गई और उन्होंने हमला कर दिया। इधर, पुलिस ने बलवा शासकीय कार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है।

पिपलानी थाने के टीआई चंद्रिका यादव ने बताया कि लक्ष्मण बंशकार आदमपुर छावनी का रहने वाला था। वह मजदूरी करता था। 2 फरवरी को अचानक ही घर में चक्कर आने के बाद बेहोश हो गया था

दिन के साथ रात भी गर्म | एमपी में होली के दिन पारा 37 डिग्री के पार

मार्च की शुरुआत में ही गर्मी के तीखे तेवर, उछला पारा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश में गर्मी ने मार्च की शुरुआत से ही तेवर दिखाने शुरू कर दिए है। होली के दिन प्रदेश में अधिकतम तापमान 37 डिग्री के पार पहुंच गया। वहीं रात का तापमान 19 डिग्री रहा। मौसम विभाग ने बताया कि एमपी में दिन के तापमान में 2 से 4 डिग्री की बढ़ोतरी होगी। 6 मार्च से एक सिस्टम एक्टिव हो रहा है। जिससे कुछ हिस्सों में मौसम बदलेगा और हल्की बारिश हो सकती है।

होली के दिन प्रदेशभर में तेज धूप खिली रही। इंदौर और उज्जैन संभाग में सबसे ज्यादा गर्मी पड़ी। भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर भी गर्म रहे। नर्मदापुरम में इस सीजन में पहली बार अधिकतम तापमान 37.7 डिग्री पहुंच गया। सागर, रतलाम और धार में पारा 36 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया। बताया गया कि अगले 4 दिन तक मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा।

प्रदेश में दिन के साथ ही रातें भी गर्म हो गई हैं। मंगलवार-बुधवार की रात में धार जिले का तापमान सबसे ज्यादा रहा। यहां पारा 19 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, 6 मार्च से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय हो रहा है। जिससे प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है।मार्च का पहला सप्ताह खत्म होते-होते ही मध्यप्रदेश में गर्मी ने रफ्तार पकड़ ली है। होली के मौके पर अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 3 डिग्री ज्यादा है। दिन के साथ-साथ रात का तापमान भी बढ़ने लगा है, जिससे मौसम में गर्मी का अहसास तेज हो गया है। सबसे ज्यादा असर इंदौर और उज्जैन संभाग में देखने को मिला। वहीं भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में भी होली के दिन तेज धूप ने लोगों को झुलसाया। प्रदेशभर में आसमान साफ रहा और बारिश या बादलों की कोई स्थिति नहीं बनी, जिससे तापमान तेजी से ऊपर चढ़ा।

40 डिग्री की ओर बढ़ता पारा

मौसम विभाग के मुताबिक अगले चार दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की और बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में मार्च के पहले पखवाड़े में ही कई शहरों में पारा 40 डिग्री तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।नर्मदापुरम में इस सीजन में पहली बार तापमान 37.7 डिग्री दर्ज किया गया। धार, रतलाम और सागर में पारा 36 डिग्री से ऊपर रहा। गुना, दमोह, खंडवा, टीकमगढ़, खजुराहो, खरगोन, श्योपुर और मंडला में भी तापमान 35 डिग्री के पार रहा। प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी में ही तापमान 30 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया।

युवक के सीने में 4 वार किए, मौत

बॉडी को ऑटो से फेंककर भागे बदमाश

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल के निशातपुरा थाना क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों ने युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। वारदात बुधवार रात की है। आरोपियों ने युवक के सीने में चार बार वार किए और बाद में उसका शव बेस्ट प्राइस के पास 80 फीट रोड पर ऑटो से फेंककर फरार हो गए।

मृतक की पहचान अरविंद मीणा (19) पुत्र हल्केराम मीणा, निवासी प्रताप नगर 80 फीट रोड थाना निशातपुरा के रूप में हुई है। पोस्टमार्टम के बाद गुरुवार दोपहर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

परिजनों के अनुसार अरविंद मीणा एक गारमेंट्स शॉप पर सेल्समैन के रूप में काम करता था। बुधवार शाम तक वह दोस्तों के साथ होली खेल रहा था। होली खेलने के बाद अरविंद अपने दोस्त विशाल ठाकुर उर्फ भूरा और सचिन के साथ घूमने के लिए निकला था। आखिरी बार उसे इन्हीं दोनों के साथ देखा गया था। बाद में दोनों युवक अकेले मोहल्ले में लौट आए। देर रात अज्ञात बदमाशों ने अरविंद का शव ऑटो से 80 फीट रोड पर फेंक दिया। शव अर्धनग्न हालत में था और उसके ऊपरी हिस्से में कपड़े नहीं थे। मृतक के पिता हल्केराम मीणा ने बताया कि बेस्ट प्राइस के पास भीड़ देखकर वे वहां रुके। पास जाकर देखा तो सड़क पर उनके बेटे का शव पड़ा था।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित । फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा ।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।